संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 300
पृष्ठ 8
शनिवार
20 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– बालों को नेचुरली काला करने....
विचार– धर्म-राजनीति को अलग करने की पहल
खेल– हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव...

बीज से लेकर बाजार तक कृषि उत्पादों के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना होगा : योगी

● सीएम योगी ने कहा : खेती में अत्यधिक फर्टिलाइजर का परिणाम है 'कैंसर ट्रेन', हमारी धमनियों में घुसने लगा है जहर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के एक राज्य में कृषि कार्य में अत्यधिक फर्टिलाइजर के उपयोग का हश्र यह हुआ कि आज वहां से कैंसर ट्रेन चलानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति से कृषि उत्पादन जरूर बढ़ा, मगर ये अधूरा सच है। आज फर्टिलाइजर की अधिकता के कारण एक धीमा जहर हमारी धमनियों में घुस रहा है। ये दुष्प्रभाव केवल मनुष्यों पर ही नहीं पड़ा है, बल्कि पशु–पक्षी भी इससे बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। देश में कई इलाके ऐसे भी थे, जहां प्राकृतिक ढंग से भी कृषि उत्पादन अधिक था। हमें बीज से लेकर बाजार तक कृषि उत्पादों के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि यूपी में जल्द ही एक कृषि विश्वविद्यालय को प्राकृतिक खेती के लिए समर्पित किया जाएगा। हमें खेती को लेकर पिछले सौ–डेढ़ सौ वर्ष में जो पढ़ाया गया है, उसमें और पुराने समय के विज्ञान में कितना अंतर है। हमें इतिहास के पन्नों को फिर से पलटना होगा। हरित क्रांति के बाद जब खेती में फर्टिलाइजर का उपयोग हुआ तो कुछ समय तक उत्पादन तो बढ़ा, मगर आज एक स्लो प्वाइजन के रूप में वह हमारी धमनियों में घुसता जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि फर्टिलाइजर का दुष्प्रभाव केवल मनुष्यों में ही नहीं देखने को मिल रहा, बल्कि पशु–पक्षी भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। अमरोहा में निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल में 12 से 14 गाय अचानक मर गईं, हमने वहां विशेषज्ञ भेजे तो ये पता लगा कि चारे में बड़े पैमाने पर फर्टिलाइजर मिला था, जिसके कारण उनकी मौत हुई। हमें समझना होगा कि जब गाय अत्यधिक फर्टिलाइजर को बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है तो मनुष्य की स्थिति क्या होगी। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में लोग मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज के लिए धन की मांग करते हैं, इसमें सर्वाधिक मामले कैंसर के होते हैं। आज से कुछ साल पहले इतनी भयावह स्थिति नहीं थी। आज गांव–गांव में युवाओं में कोई किडनी, कोई हार्ट तो कोई कैंसर से पीड़ित हो गया है। इसका कारण है कि हमारा खानपान कहीं न कहीं प्रभावित हुआ है। इससे बचाव का नया मंत्र पीएम मोदी ने प्राकृतिक खेती का दिया है।

चारधाम के नाम पर नहीं बनेगा कोई भी ट्रस्ट : धामी

● बोले- यह हमारी आस्था के केंद्र, राजनीति ना करें

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानून लाएगी कि चारधाम और अन्य प्रमुख मंदिरों के नाम पर कोई ट्रस्ट, मंदिर या समिति न बनाई जाए। पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया है। पुष्कर सिंह धामी ने एक बयान में कहा कि ये हमारे लिए महत्वपूर्ण धाम हैं और हमारी आस्था के केंद्र हैं। वे यहां की अर्थव्यवस्था से भी जुड़े हुए हैं। जब इसके बारे में कहानियाँ प्रकाशित होती हैं, तो लोग इसके बारे में अपने–अपने विचार बनाते हैं। इसके साथ ही धामी ने सभी से अनुरोध करते हुए कहा कि राजनीतिकरण करने के लिए बहुत सारे मुद्दे हैं, इसलिए कृपया उन मुद्दों को छोड़ दें जो हमारी आस्था से जुड़े हैं। वहीं, बैठक को लेकर धामी ने एक ट्वीट भी किया। उन्होंने कहा कि कल आयोजित हुई कैबिनेट बैठक में जनभावनाओं के अनुरूप चारों धामों के नाम का दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े कानून बनाए जाने का निर्णय लिया गया है साथ ही सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सभी सरकारी अस्पतालों में यूजर चार्ज की दरें एक समान कर दी गई हैं। भाजपा नेता ने बताा कि प्रदेश के सरकारी विवि में हिंदू अध्ययन केंद्र खोले जाएंगे। जिनमें छात्र भारतीय ज्ञान–विज्ञान और दर्शन की पढ़ाई कर सकेंगे। प्रदेश के सभी जिलों और पर्यटक स्थलों को हवाई सेवा से जोड़ने के लिए नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया गया है। अधिकारियों को मानसून के बाद एक महीने के भीतर प्रदेश की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के भी निर्देश दिए गए हैं। मानसून सत्र के दृष्टिगत राज्य आपदा मोचन निधि के अंतर्गत होने वाले मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए समस्त जनपदों के लिए 10–10 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। सीएम ने एक अन्य ट्वीट में बताया कि शासकीय आवास में उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश की सभी सड़कों को मानसून के बाद एक माह की सीमा निर्धारित करते हुए जल्द से जल्द गड्ढामुक्त बनाने के निर्देश दिए। अधिकारियों को कांवड़ मेले के दृष्टिगत सुरक्षा की सभी तैयारियों को पुख्ता करने, घाटों पर साफ–सफाई, पेयजल व्यवस्था आदि का भी विशेष ध्यान रखने के लिए निर्देशित किया। बैठक के दौरान प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में धारण क्षमता के अनुसार ही निर्माण कार्य किए जाएं एवं पर्यटन स्थलों पर भी पार्किंग व्यवस्था बेहतर करने हेतु रिक्त स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। जिन सरकारी गेस्ट हॉउस की स्थिति सही नहीं है उनकी मेंटेनेंस कराई जाएगी साथ ही वहां पर पर्यटकों के दृष्टिगत सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

आरएसएस के मुरीद हुए दिग्विजय सिंह! यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को दे दी सीखने की नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर बड़ा बयान दिया है। आरएसएस के कट्टर आलोचकों में से एक दिग्विजय सिंह ने इसको लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एक नसीहत दी है। उन्होंने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखें कि संदेश को प्रभावी ढंग से कैसे संप्रेषित किया जाए और संगठन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करें। दिग्विजय सिंह ने यह बात जबलपुर में कही जब वे कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले और नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में दिग्विजय सिंह ने कहा कि संघ से सीखिए, हालांकि हम उनके कट्टर विरोधी हैं।

दुकानों पर मालिक का नाम लिखवाना विभाजनकारी मानसिकता : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस माहसचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कांवड़ मार्ग पर दुकानों पर मालिक का नाम लिखने के आदेश को विभाजनकारी मानसिकता का परिणाम बताते हुए शुक्रवा को कहा कि इस आदेश को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। श्रीमती वाड्रा ने आज यहां कहा,"हमारा संविधान हर नागरिक को गारंटी देता है कि उसके साथ जाति, धर्म, भाषा या किसी अन्य आधार पर भेदभाव नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में ठेलों, खोमचों और दुकानों पर उनके मालिकों के नाम का बोर्ड लगाने का विभाजनकारी आदेश हमारे संविधान, हमारे लोकतंत्र और हमारी साझी विरासत पर हमला है।"

सीएम केजरीवाल की गैरमौजूदगी में पत्नी सुनीता ने संभाली कमान, आज करेंगी बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल जेल में हैं, लेकिन उनकी पार्ची आगे की रणनीति पर लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में आप ने अपने दम पर हरियाणा में चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इन सब के बीच खबर यह है कि केजरीवाल के जेल में होने के बाद उनकी पत्नी सुनिता ने हरियाणा में पार्टी की जीत की कमान संभाल ली है। आम आदमी पार्टी शनिवार को पार्टी संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री की चुनावी राज्य के लिए गारंटी की घोषणा के साथ हरियाणा में अपने विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करेगी। आप के एक बयान में कहा गया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल शनिवार को हरियाणा के पंचकुला में एक टाउनहॉल बैठक में ष्केजरीवाल की गारंटीष की घोषणा करेंगी। इसमें कहा गया है कि उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक और राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी होंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री वर्तमान में उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। इससे पहेल आप ने साफ कर दिया था कि अक्टूबर में बिना किसी गठबंधन के वह अकेले हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। पंजाब के सीएम भगवंत मान, आप सांसद संजय सिंह और डॉ. संदीप पाठक ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। भगवंत मान ने अपने बयान में कहा कि आम आदमी पार्टी आज एक राष्ट्रीय पार्टी है। दो राज्यों में हमारी सरकार है। गुजरात और गोवा में हमारे विधायक हैं। हमें पूरे देश के लोग पसंद कर रहे हैं। हरियाणा के लोगों को इस बात का गर्व है कि उनके यहां के अरविंद केजरीवाल दिल्ली जाकर चुनाव लड़ते हैं और पूरे देश की राजनीति को बदल देते हैं। मान ने कहा कि हरियाणा के लोगों ने हमसे यहां चुनाव लड़ने की गुज़ारिश की और वह बदलाव चाहते हैं। हम आने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव पूरी ताक़त से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति पंजाब और दिल्ली से काफ़ी मिलती–जुलती है। दोनों राज्यों से हरियाणा जुड़ा हुआ है। हमारी आपस में रिश्तेदारियां भी हैं।

अमीरी–गरीबी की बढ़ती खाई, महंगाई, बेरोजगारी बड़ी चुनौती : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को अपना सातवां बजट पेश करेंगी और इसको लेकर वह उद्योगपतियों, बैंकर्स, किसान संगठनों से बात कर चुकी है, लेकिन देश में सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी, महंगाई और अमीर गरीब के बीच बढ़ती खाई है जिसे कम करने के लिए उनके इरादे स्पष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बड़ा संकट यह है कि देश की एक फीसदी आबादी के पास लगभग आधा संपत्ति है जिसके कारण गरीबी और अमीरी के बीच की खाई बढ़ रही है और बेरोजगारी का हल नहीं निकल रहा है।

न्यायपालिका अपना काम करेगी, यूपीएससी की तरफ से एफआईआर दर्ज कराने पर बोलीं पूजा खेडकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विवादास्पद प्रशिक्षु भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी पूजा खेडकर ने शुक्रवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा उनके खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद कहा कि न्यायपालिका अपना काम करेगी। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका अपना काम करेगी; जो कुछ भी होगा, मैं उसका जवाब दूंगी यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा–2022 की उनकी उम्मीदवारी रद्द करने और भविष्य की परीक्षाओं और चयनों से वंचित करने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए अनंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवार सुश्री पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के दुर्व्यवहार की विस्तृत और गहन जांच की है। इस जांच से यह पता चला है कि उन्होंने परीक्षा नियमों के तहत अनुमेय सीमा से अधिक प्रयासों का धोखाधड़ी से लाभ उठाया। आयोग ने एक बयान में कहा, अपना नाम, अपने पिता और माता का नाम, अपनी तस्वीर/हस्ताक्षर, अपनी ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलकर अपनी पहचान फर्जी बना रही है। महाराष्ट्र कैडर की 2022 बैच की आईएएस अधिकारी खेडकर पर महाराष्ट्र में पुणे जिला कलेक्टरेट में अपने प्रशिक्षण के दौरान उन लाभों और सुविधाओं की मांग करके अपनी शक्ति और विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप है, जिनकी वह हकदार नहीं थीं।

कार एवं ट्रक में टक्कर, छह लोगों की मौत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बीकानेर जिले के महाजन थाना क्षेत्र में कार एवं ट्रक की टक्कर होने से दो महिलाओं एवं दो बच्चों सहित कार सवार छह लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के हैं तथा हरियाणा में डबावली तहसील के रहने वाले हैं। ये सभी लोग कार में सवार होकर बीकानेर की तरफ जा रहे थे कि गुरुवार रात को महाजन थाना क्षेत्र में भारत माला रोड के जैतपुर टोल प्लाजा के पास कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गयी। हादसे में कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना के बाद बीकानेर जिला कलेक्टर नम्रता एवं जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम सहित आला अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जयपुर में मीट की दुकान के बाहर झटका या हलाल लिखना अनिवार्य, अवैध दुकानों पर भी होगा एक्शन

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र में मांस विक्रेताओं के लिए एक नया नियम लागू किया गया है। इस नियम को लेकर आगे आने वाले समय में बवाल मच सकता है। नए नियम के मुताबिक, जयपुर में अब मीट की दुकानों के बाहर 'झटका' या 'हलाल' लिखना अनिवार्य है। इस फैसले को ग्रेटर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मंजूरी दे दी है। यह निर्णय कार्यकारी समिति की चौथी बैठक के दौरान किया गया। इसके अलावा अब रिहायशी इलाकों में मांस की दुकानें प्रतिबंधित हैं। जानकारी के मुताबिक, मांस की दुकानों के लाइसेंस का नवीनीकरण तभी किया जाएगा जब प्रतिष्ठान के पास व्यावसायिक पट्टा हो। गौरतलब है कि जहां योगी सरकार के तहत उत्तर प्रदेश में इस समय दुकानों पर नेमप्लेट लगाने का मुद्दा गर्म है, वहीं जयपुर ने 'हलाल' और 'झटका' मांस की लेबलिंग को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

नो वर्क–नो पे की थ्योरी नहीं लागू होगी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा– पुनः बहाली पर राज्य कर्मचारी ब्याज सहित वेतन का हकदार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस के एक जवान की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा– अगर राज्य सरकार ने कर्मचारी को बर्खास्त करने या हटाने के आदेश को रद्द कर सेवा बहाल कर दी है, तो नो वर्क नो पे का सिद्धांत लागू नहीं होता है। कोर्ट ने कहा है कि केवल उसी स्थिति में वेतन भत्ता देने से इनकार किया जा सकता है जब कर्मचारी ने सेवा से बाहर रहने के दौरान दूसरी जगह वेतन लेकर नौकरी की हो। किंतु प्रश्नगत मामले में सरकार का यह केस नहीं है। सेवा से बाहर रहने के दौरान याची निलंबित भी नहीं था और विभागीय जांच में देरी नहीं की। सब कुछ नियमानुसार समय से हुआ। बर्खास्तगी के खिलाफ अपील मंजूर करते हुए उसे बरी कर बहाल कर दिया गया। ऐसे में सेवा से बाहर रहने की अवधि का वेतन भत्ता देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा– 25 हजार रुपए हर्जाना दिया जाए

कोर्ट ने एसपी देवरिया को निर्देश दिया है कि याची को 9 जनवरी 2020 से 29 सितंबर 2020 की अवधि के वेतन भत्ते का भुगतान 6 फीसदी ब्याज सहित एक महीने में करें और याची को 25 हजार रुपए हर्जाना दिया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने दिनेश प्रसाद की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याची यूपी पुलिस में फॉलोअर था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश पुलिस अधीनस्थ रैंक के अधिकारी (दंड और अपील) नियमावली 1991 (नियम 1991) के नियम 14 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की गई और उसे आरोप पत्र दिया गया। याची पर आरोप था कि वह अधिकारियों को सूचित किए बिना ड्यूटी से अनुपस्थित था और भूख हड़ताल पर चला गया। साथ ही अपनी मेस ड्यूटी फिर से शुरू करने से इनकार कर दिया, जिससे पुलिस बल की प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। परिणामस्वरूप उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। उसकी अपील पुलिस उप महानिरीक्षक गोरखपुर क्षेत्र ने स्वीकार कर ली और सेवा में बहाल कर दिया लेकिन पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि याची को उस अवधि के लिए वेतन का भुगतान नहीं किया जाएगा, जिस दौरान वह सेवा से बाहर था। बर्खास्तगी का आदेश नो वर्क नो पे के सिद्धांत पर किया गया है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए पुलिस अधीक्षक का आदेश 11 फरवरी 24 रद्द कर दिया। साथ ही उसको उक्त अवधि के लिए उसका पूरा वेतन और भत्ते, 6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से गणना कर साधारण ब्याज और रिट याचिका की लागत का भुगतान करने का भी निर्देश दिया।

युवक के गले में 72 घंटे तक फंसा रहा आलू

प्रयागराज में डॉक्टरों ने निकाला, आवाज और खाना–पीना बंद होने पर पहुंचा अस्पताल

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवक के गले में 72 घंटे आलू फंसा रहा। इस दौरान उसकी आवाज बंद हो गई और गले में तेज दर्द होने लगा। युवक को लेकर परिजन तीन दिन तक इलाज कराने के बाद अस्पतालों में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने जांच की तो गले में गोल आकार का कुछ दिखा। एक्स–रे के बाद युवक का टी–टेस्ट किया गया। इसके बाद स्पष्ट हुआ कि युवक के गले में एक आलू अटका हुआ था।

गले की एंडोस्कोपी कराई, तब पकड़ में आया

मंगलवार को नैनी निवासी शिवम यादव (18) को सीरियस कंडीशन में शांति विलास हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घर वालों ने बताया कि पहले नजदीक के अस्पताल में इलाज कराया, लेकिन तबीयत बहुत ज्यादा खराब होने लगी। हम लोग गुरुवार रात 11 बजे अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन करने को कहा। डॉ. अजय शुक्ल ने बताया– मरीज जब हमारे यहां आया तो उसे बहुत दर्द हो रहा था। उसके मुंह से लार निकल रहा था। पहले हमने एक्स–रे कराया लेकिन क्लियर नहीं हो सका। इसके बाद गैस्ट्रोइंट्रोलॉजिस्ट से उसके गले की जांच की गई। तब पता चला कि खाने की नली में ऊपर गोल आकार का कुछ फंसा है। ओटी में ले जाने के बाद जब निकालने लगे तो आलू होने का पता चला। मरीज और परिजन भी नहीं जान रहे थे कि गले में आलू फंसा है।

डॉक्टर बोले– यह रेयर केस

ईएनटी सर्जन डॉ. अजय शुक्ला ने बताया कि ऐसा रेयर होता है। आलू को निकालने में काफी मशक्कत हुई क्योंकि आलू पकड़ में नहीं आ रहा था। वह बार–बार फिसल रहा था। लेप्रोस्कोपिक फोर्सेप का प्रयोग कर आलू निकाला जा सका। हालांकि, अब मरीज स्वस्थ है। 2 से 3 दिन में पूरी तरह से ठीक हो जाएगा।

पिता बोले–शिवम का व्रत था, गलती से चला गया खड़ा आलू

युवक के पिता दीनानाथ यादव ने बताया– शिवम हर मंगलवार को व्रत रखता है। इस बार भी उसका व्रत था। उसकी मां ने फलाहारी के रूप में उबला आलू बनाया था। उसमें एक आलू खड़ा ही रह गया था। खाते समय शिवम उसे भी जल्दी में निगल गया। लेकिन, उसे पता नहीं चल सका। करीब दो घंटे बाद शिवम के गले में दर्द होने लगा। फिर वो कुछ बोल भी नहीं पाया और न कुछ खा सका। दर्द बीच–बीच में कम हुआ तो वो सो गया। ईश्वर का शुक्र है कि मेरे बेटे के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई।

प्रयागराज में पति–पत्नी ने किया सुसाइड

अस्पताल से शवों को ले गए परिजन, करा दिया अंतिम संस्कार, देर से पहुंची पुलिस

प्रयागराज। प्रयागराज के मांडा इलाके में पति–पत्नी ने एक साथ जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। जहर खाने के बाद उनकी हालत बिगड़ी थी तो परिवार वाले पहले सीएचसी ले गए, फिर उन्हें शहर के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल लाया गया। यहां पहुंचते पहुंचते दोनों की मौत हो चुकी थी। घरवालों ने पुलिस को सूचना नहीं दी और दोनों शवों को वापस गांव ले गए। घर वालों ने शुक्रवार सुबह दोनों का अंतिम संस्कार कर दिया। दूसरों से खबर पाकर मांडा पुलिस पहुंची, लेकिन तब तक दोनों शव जलाए जा चुके थे। अब पुलिस पूछताछ कर रही है।

जला दी गईं दोनों की चिताएं : मामला यमुनापार मांडा थाना क्षेत्र के सरायं खुर्द अछोला गांव का है। बताते हैं कि यहां के रहने वाले बाल मुकुंद खेती करते हैं। उनका 30 वर्षीय बेटा रत्नेश कुमार भी खेती करता था। गुरुवार देर रात रत्नेश और उसकी 28 वर्षीय पत्नी रितु ने जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों की हालत बिगड़ी और उल्टियां होने लगीं तो घरवालों को पता चला। परिजन दोनों को लेकर सीएचसी रामनगर पहुंचे और फिर वहां से एसआरएन अस्पताल लाए। दोंनों की मौत हो चुकी थी। ऐसे में शवों को लेकर वापस गांव पहुंचे और अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस को देर से पता चता तो खलबली मची। मांडा पुलिस गांव पहुंची तो पता चला अंतिम संस्कार हो चुका है। अब पुलिस पूछताछ कर रही है।

प्रयागराज में बंदूक की नोंक पर सराफा व्यापारी से लूट

बदमाश 12 लाख के सोने–चांदी के आभूषण लेकर भागे, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में तमंचा सटाकर बगमाशों ने नगदी और सोने–चांदी के आभूषणों से भरा बैग लूट लिया। स्कूटी सवार एक युवक ने पीछा किया तो बदमाश फायरिंग करते हुए फूलपुर की तरफ भाग निकले। पुलिस चौकी के पास हुई इस घटना से व्यापारी सकते में हैं। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी के पास रहने वाले अंकित पुत्र राजेंद्र प्रसाद ने बाजार में ज्वेलरी की दुकान खोल रखी है। गुरुवार की देर रात वह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह राम–जानकी मंदिर के पास सहसों चौराहे की तरफ मुड़े। तभी एक वैगनआर कार ने रास्ता रोक दिया। इसी समय बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने आभूषण व्यवसायी अंकित केसरवानी के हाथ से ज्वेलरी और नगदी से भरा बैग लूट लिया। आभूषण और नगदी समेत करीब 12 लाख रुपये के सामान बैग में थे।

फूलपुर की तरफ भागे बदमाशों को युवक ने दौड़ाया

सहसों बाजार के ही रहने वाले स्कूटी सवार दिव्यांशु ने बदमाशों का पीछा किया, तो वह फायर करते हुए फूलपुर की तरफ भाग गए। भुक्तभोगी के मुताबिक करीब आठ लाख रुपये के सोने–चांदी के आभूषण को मिलाकर कुल 12 लाख रुपये बैग में थे।

प्रयागराज में प्रतिदिन बढ़ रहा गंगा–यमुना का जलस्तर

2 सेमी प्रति घंटे की स्पीड से बढ़ रहा पानी, संगम नोज का स्थान बदला

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं। यहां बारिश नहीं हो रहे लेकिन गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कानपुर से पानी छोड़े जाने के बाद यहां दोनों नदियों का पानी प्रतिघंटे 2 सेमीमीटर बढ़ रहा है। जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए प्रयागराज जिला प्रशासन की ओर से अलर्ट भी जारी किया गया है। नदियों के किनारे बसे लोगों को हिदायत दी जा रही है। वहीं, गंगा–यमुना के जलस्तर में हो रही वृद्धि के चलते संगम नोज का भी स्थान बदल गया। नाविकों को भी सचेत किया गया है कि वह तेज हवा चलने के दौरान या शाम 6 बजे के बाद यात्रियों को लेकर पानी में नहीं जाएंगे।

घाटों पर पानी बढ़ा तो सामान समेटने लगे दुकानदार

संगम नोज, वीआईपी घाट, राम घाट, दारागंज समेत अन्य घाटों पर अस्थायी दुकानदार अपना सामान व तख्त समेटने लगे हैं। वह अपना सामान पीछे शिफ्ट कर रहे हैं। वहीं तीर्थपुरोहित जो बिल्कुल घाट पर बने हुए थे वह भी पिछे खिसक रहे हैं। बाढ़ नियंत्रण की टीम व जल पुलिस की टीम लगातार सक्रिय है।

सदर तहसील में सबसे ज्यादा 26 बाढ़ चौकियां

बाढ़ के अनुमान को देखते हुए प्रशासन अभी से अलर्ट मोड में है। बाढ़ चौकी बनाई जा रही है। सदर तहसील क्षेत्र में सबसे ज्यादा 26 बाढ़ चौकी बनाई गई है। इसी तरह फूलपुर में 13, करछना में 20, सोरांव में 7, हंडिया में 6, बारा में 10, मेजा में 13 व कोरांव में 3 बाढ़ चौकियां बनाई गई है। बाढ़ का खतरा बढ़ते ही इन चौकियों को तत्काल सक्रिय कर दिया जाएगा। सिंचाई बाढ़ खंड के कंट्रोल रूम की ओर से दिन में 2 बाद जलस्तर देखा जा रहा है।

माफिया अशरफ के साले सद्दाम की फॉर्च्यूनर होगी कुक

दोस्त को धमकी देकर ली थी कार, दिया हलफनामा, बेनामी संपत्ति की जांच में फंसा

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के शूटरों को बरेली जेल में माफिया अशरफ से मिलवाने वाले अशरफ के साले की नामी–बेनामी संपत्ति खंगाली जाने लगी है। अब पुलिस को अशरफ के साले की फॉर्च्यूनर कार का पता चला है। इसे कुर्क करने की तैयारी है। बरेली पुलिस इसकी जांच के लिए प्रयागराज आई थी। पूछताछ में साफ हुआ कि सद्दाम ने अपने दोस्त को डराधमका कर उसके नाम फॉर्च्यूनर ली थी। इसकी रिपोर्ट तैयार है। जल्द ही इसे कुर्क किया जाएगा। माफिया अतीक के भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की बेनामी संपपत्ति में उसके साले सद्दाम का दखल ज्यादा सामने आ रहा है। बदायूं जेल में बंद सद्दाम ने अशरफ की बेनामी संपत्ति के तौर पर कई लग्जरी गाड़ियां खरी दीं। अब पुलिस जांच के बाद कार्रवाई कर रही है। सद्दाम ने 35 लाख की फॉर्च्यूनर अपने करीबी के नाम नाम खरीदी थी।

करीबी दोस्त ने पुलिस को दिया हलफनामा

पुलिस ने शिकंजा कसा तो सद्दाम के करीबी दोस्त ने पुलिस अफसरों के सामने हलफनामा देकर कहा कि सद्दाम ने जबरन डराधमका कर उसके नाम पर फॉर्च्यूनर गाड़ी फाइनेंस कराई थी। इस शख्स ने अपना नाम तफवीज अहमद निवासी महक अपार्टमेंट सिविल लाइंस बताया। सद्दाम ने एक फॉर्च्यूनर गाड़ी उसके नाम पर फाइनेंस कराई थी लेकिन यह गाड़ी कभी उसे नहीं दी। पुलिस को दिए हलफनामे में उसने बताया कि जब यह फॉर्च्यूनर खरीदी गई तो सद्दाम ने उसे ढाई लाख रुपए नगद जबकि उसके भाई सैफी ने तीन बार अलग–अलग चेक से उसके खाते में सात लाख रुपए डाले थे। गाड़ी लोन पर ली गई थी जिसकी हर महीने 32000 किस्त सद्दाम खुद ही जमा करता रहा। हालांकि पुलिस ने जब छापेमारी पूछताछ शुरू की तो सद्दाम का दोस्त खुद सच उगलने पुलिस के पास पहुंच गया।

प्रयागराज में वेब सीरीज में हीरो के नाम पर ठगी

कहा– अभिनेता बन जाओगे तुरंत 60 हजार भेजो, गैंग ऑफ वासेपुर के नाम पर भी फ्रॉड

प्रयागराज। प्रयागराज में इन दिनों साइबर ठगों ने फिल्म, वेब सीरीज के नाम पर ठगी शुरू कर दी है। चूंकि प्रयागराज सांस्कृतिक केंद्र रहा है, ऐसे में साइबर ठग इसका फायदा उठाकर अब फिल्म और वेब सीरीज में काम दिलाने, हीरो बनाने का लॉलच देकर ठगी कर रहे हैं। नया मामला वे सिरीज में अभिनेता बनाने के नाम पर 60 हजार रुपए ठगी का है। चंदौली के औरया कन्दवा निवासी मनीष कुमार सिंह कीडगंज में रह रहे हैं। मनीष को फिल्म अभिनेता बनाने के नाम पर ठग लिया। उन्होंने तहरीर में बताया कि फेसबुक के जरिए उनकी दोस्ती आशीष सिंह से हुई थी। आशीष कई फिल्मों से जुड़े अदाकारों की फोटो शेयर करता रहता था। वह खुद को अभिनेता बताता था। बातचीत के दौरान उसने कई झूठ बोले और मोबाइल नंबर ले लिया। उसने वेब सीरीज बनाने की बात कही।

ठगों ने फोन पर कहा अभिनेता का रोल दिला सकता हूं

कहा कि बहुत सारे लोग रुपए लगा रहे हैं लेकिन आप चाहे तो मैं अभिनेता का रोल दिला सकता हूं। फिल्म में काम करने की लालच में मनीष सिंह से तीन बार में 60 हजार रुपए उसे ट्रांसफर कर दिए। मनीष ने ऑनलाइन रुपए देकर उससे कुछ दस्तावेज भी मंगा लिए। रुपए ट्रांसफर होने के बाद शातिर और रुपए की डिमांड करने लगे। मनीष ने इनकार किया तो जिन नंबरों से कॉल आते थे वह बंद होने लगे। इसके बाद मनीष को ठगी का एहसास हुआ। मनीष ने मोबाइल नंबर, चौटिंग के आधार पर कीडगंज थाने में केस दर्ज कराया है। कीडगंज इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह का कहना है कि हीरो बनने की लालच में ठगी हुई। जिन नंबरों से बात होती थी वह बंद हैं।

पीसीएस–जे परीक्षा परिणाम मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई

लोक सेवा आयोग को हाईकोर्ट में देना है जवाब, गड़बड़ी को लेकर कोर्ट सख्त

प्रयागराज। पीसीएस–जे मुख्य परीक्षा 2022 के परिणाम में गड़बड़ी के मामले पर दाखिल याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट आज शुक्रवार को सुनवाई होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसडी सिंह तथा न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ मामले की सुनवाई कर रही है। परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियों को लेकर हाईकोर्ट ने काफी सख्त रुख अपनाते हुए लोक सेवा आयोग से जवाब मांगा था। हाईकोर्ट आयोग के हलफनामे से संतुष्ठ नहीं था ऐसे में आदेश दिया था कि इससे बेहतर हलफानाम दाखिल किया जाए। इससे पहले आठ जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई थी। तब 3 घंटे तक सुनवाई चली थी। कोर्ट ने परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर जानकारी ली थी। साथ ही मामले में हुई कार्रवाई और आगे होने वाली जांच आदि के विषय में पूछा था। हालांकि कोर्ट ने अधिकारियों को पहले से ही आदेश दिया है कि इस पूरे मामले पर हर बिंदु को लेकर हलफनामा दाखिल करें।

श्रवण पांडेय की याचिका पर चल रही सुनवाई

याचिकाकर्ता श्रवण पांडेय की रिट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसडी सिंह तथा न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ मामले की हियरिंग की। उससे पहले दो जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने आयोग से हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। पीसीएस–जे मुख्य परीक्षा 2022 के परिणाम में गड़बड़ी के इस अहम मामले पर लोक सेवा आयोग ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपनी गलती स्वीकार की थी। परिणाम में गड़बड़ी की बात स्वीकार करते हुए 3 अगस्त तक नए सिरे से परिणाम घोषित करने का हलफनामा दाखिल करने को कहा था। यह बात कोर्ट में उप सचिव की ओर से कही गई थी।

इस मामले में अब तक क्या हुआ : याची अधिवक्ता विभु राय ने बताया कि आयोग के उप सचिव के हलफनामे में स्वीकार किया गया है कि कॉपियों में इंटरमिक्सिंग हुई है। लगभग ऐसे 50 अभ्यार्थियों के परिणाम में इंटरमिक्सिंग का पता चला है। इनके परिणाम फिर से जारी किए जाएंगे। कोर्ट ने उप सचिव के हलफनामे को संतोषजनक नहीं माना और चेयरमैन को चार बिंदुओं पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने पूछा–कितने अभ्यर्थियों का परिणाम सही नहीं है। यदि फिर से इनके परिणाम तैयार होंगे तो कितने लोग बाहर होंगे। चयन से बाहर जाने व अंदर आने वालों के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी जाएगी। कोर्ट ने 3 अगस्त की टाइमलाइन को सही नहीं माना और कहा कि पहले कार्यवाही पूरी की जाए। इससे पहले कोर्ट ने लोक सेवा आयोग को अभ्यर्थियों की सभी 6 प्रश्न पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। याची श्रवण पांडेय अभ्यर्थी ने आरोप लगाया है कि उसकी अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में हैंडराइटिंग बदली हुई है। एक अन्य उत्तर पुस्तिका के कुछ पन्ने फाड़े गए हैं। इसकी वजह से वह मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो पाया।

सामने आया गड़बड़ी का खेल, हुआ हंगामा : याची का कहना था कि वह 2022 पीसीएस जे मुख्य परीक्षा में शामिल हुआ। इसका परिणाम 30 अगस्त 2023 को जारी किया गया। याची को मुख्य परीक्षा में जो भी अंक मिले थे, उससे वह संतुष्ट नहीं था। उसने आरटीआई के तहत आयोग से जानकारी मांगी तो उसे 6 प्रश्न पत्रों में मिले प्राप्तांक की जानकारी मिली। पता चला की अंग्रेजी प्रश्न पत्र में उसे 200 में से मात्र 47 अंक मिले हैं। इससे असंतुष्ट होकर उसने आरटीआई के तहत 6 प्रश्न पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने की मांग की। उत्तर पुस्तिकाएं देखने पर पता चला की अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में उसकी हैंडराइटिंग नहीं है, जो कि उसने अन्य प्रश्न पत्रों में लिखी है। साथ ही हिंदी की उत्तर पुस्तिका के तीन चार पन्ने फटे हुए पाए गए। इस पर कोर्ट ने लोक सेवा आयोग को निर्देश दिया है कि याची की सभी 6 उत्तर पुस्तिकाओं को अदालत के सामने प्रस्तुत किया जाए।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी) इलाहाबाद द्वारा निकली गयी उद्‌घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 341 सन - 2024

श्रीमती शकीला बानो पत्नी मरहूम नसीम अहमद उम्र करीब 49 वर्ष निवासी - मुल्तानपुर , पोस्ट भोपतपुर तहसील हण्डिया, जिला प्रयागराज। ...प्रार्थिनी

बनाम

1. **बैश आलम** उम्र करीब 32 वर्ष (पुत्र), 2. **मेहताब आलम** 29 वर्ष (पुत्र), 3. **सबनम परवीन** उम्र करीब 25 वर्ष (पुत्र), 4. **चाँदनी परवीन** उम्र 18 वर्ष (पुत्री) पुत्र/पुत्रियाँ मरहूम नसीम अहमद सभी निवासीगण - मुल्तानपुर, भोपतपुर, पोस्ट भोपतपुर ,जिला प्रयागराज। ...विपक्षीगण

अपने **पति स्व.नसीम अहमद** मृतक के वारिसान को देय ऋण और प्रतिभूतियाँ वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन 1989 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के लिए।

चूंकि न्यायालय उक्त से प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिए आवेदन दिया है और सन 2024 के 08 का 07 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्‌घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को वाद उपरोक्त के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति को वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी) इलाहाबाद में नियत दिनांक पर उपसजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

2024 के 07 के 12 दिवस को दिनांकित।

नियत तिथि - 07-08-2024

न्यायालय

कांवर मेला 2024 के अवसर पर रेलगाड़ियों का अतिरिक्त ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा के उद्देश्य से श्रावण माह में 'कांवर मेला 2024' के अवसर पर दिनांक 22.07.2024 से 03.08.2024 तक निम्न रेलगाड़ियों का निम्न स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव का निर्णय लिया हैं, विवरण निम्नवत् है :-

गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	आवृत्ति	दिनांक	स्टेशन	ठहराव समय
14113	सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	22.07.2024 से 03.08.2024 तक	रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	11.14/11.16 11.04/11.06 10.43/10.45
14309	लक्ष्मीबाई नगर-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	17.35/17.37 17.00/17.02 15.53/15.55
14317	लक्ष्मीबाई नगर-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	17.35/17.37 17.00/17.02 15.53/15.55
14114	देहरादून-सूबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	14.15/14.17 14.34/14.36 15.15/15.17
14310	योग नगरी ऋषिकेश-लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	07.08/07.10 07.24/07.26 07.52/07.54
14318	योग नगरी ऋषिकेश-लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन		रायवाला मोतीचूर ज्वालापुर	07.08/07.10 07.24/07.26 07.52/07.54

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad. indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1250/24(A)

संक्षिप्त

माइक्रोसॉफ्ट की खराबी से भारतीय शेयर बाजार पर भी हुआ असर, मोतीलाल ओसवाल हुए प्रभावित

माइक्रोसॉफ्ट के बंद होने से एक तरफ मीडिया, एयरपोर्ट सेवाएं और अस्पतालों में कई तरह की दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इससे भारतीय शेयर बाजार के व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट के बंद होने से कई ब्रोकरेज फर्मों में तकनीकी गड़बड़ियां सामने आईं है। ब्रोकरेज फर्म 5पैसा और आईआईएफएल सिक्योरिटीज ने ग्राहकों को बताया कि माइक्रोसॉफ्ट की तकनीकी गड़बड़ी के कारण उनके सिस्टम प्रभावित हुए हैं। इसकी जानकारी ब्रोकरेज फर्म 5पैसा ने एक्स पर दी है। कंपनी ने एक्स पर कहा, ''साइबर सुरक्षा समाधान प्रदान करने वाली क्राउडस्ट्राइक/माइक्रोसॉफ्ट के साथ वैश्विक आउटेज के कारण हमारे सिस्टम प्रभावित हुए हैं। हमारी टीम जल्द से जल्द हमारे सिस्टम को बहाल करने के लिए उन दोनों के साथ मिलकर काम कर रही है।'' नुवामा के प्रवक्ता ने कहा, ''हमने सीमित प्रभाव देखा है, क्योंकि हमारे नेटवर्क हमारे पारिस्थितिकी तंत्र पर इस तरह की रुकावटों के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए बनाए गए हैं। हमने अपने बैक ऑफिस और निपटान कार्यों में एक सॉफ्टवेयर पैच तैनात किया है और एक्सचेंजों को इसकी सूचना दी है।"

लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर असर

लंदन स्टॉक एक्सचेंज के वर्कस्पेस न्यूज़ और डेटा प्लेटफ़ॉर्म पर भी व्यवधान आया। हालाँकि भारतीय स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई पर इसका कोई खास असर नहीं हुआ। दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट के उपयोगकर्ताओं ने गड़बड़ी की सूचना दी। इस गड़बड़ी के बाद कई बैंकों और एयरलाइनों ने अपना परिचालन रोक दिया है। हालांकि प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा कि इसे ठीक कर लिया गया है। बता दें की भारत में इस परेशानी के कारण इंडिगो, अकासा एयरलाइंस और स्पाइसजेट जैसी एयरलाइनें प्रभावित हुई हैं।

पेटीएम का घाटा जून तिमाही में बढ़कर 840 करोड़ रुपये पर

पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन कम्युनिकेशंस का घाटा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–जून तिमाही में बढ़कर 840 करोड़ रुपये हो गया है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4

करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी एकीकृत आमदनी 33.48 प्रतिशत घटकर 1,639.1 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,464.2 करोड़ रुपये थी।

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर हुआ ठप्प, वैश्विक स्तर पर बैंक, एयरपोर्ट, मीडिया आउटलेट सेवाएं प्रभावित

दुनियाभर में तमाम लोगों के कंप्यूटर पर माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर ठप्प हो गया है। इस कारण दुनिया भर में बैंक से लेकर एयरलाइंस सर्विस पर काफी असर हुआ है। कंपनी द्वारा पिन किए गए मैसेज के अनुसार कई विंडो के यूजर्स को ब्यू स्क्रीन ऑफ डेथ एरर नजर आ रहा है। इस घटना के बाद माइक्रोसॉफ्ट ने गुरुवार को कहा कि वह मध्य अमेरिकी क्षेत्र में अपनी क्लाउड सेवाओं से संबंधित समस्याओं की जांच कर रहा है, जिसके कारण विश्व भर में सेवाएं बाधित हुई हैं। इस परेशानी के कारण बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए है। शुक्रवार की सुबह भी क्लाउड सर्विस बाधित होने के कारण दुनियाभर में कई इलाकों में परेशानी आ रही है। इस कारण एयरलाइंस की कई उड़ानों पर भी असर हुआ है। उड़ानों पर असर भारत से लेकर अमेरिका समेत कई

देशों में देखने को मिला है। दुनिया भर की प्रमुख एयरलाइन कंपनियों ने कहा कि इस व्यवधान से दिल्ली और मुंबई सहित उनकी उड़ान परिचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अकासा एयरलाइंस ने घोषणा की है कि उसकी कुछ ऑनलाइन सेवाएं मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी। स्पाइसजेट ने एक बयान में यह भी कहा कि उसे उड़ान संबंधी अपडेट देने में फिलहाल तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इंडिगो एयरलाइंस ने भी कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की खराबी के कारण उसके सिस्टम पर असर पड़ रहा है। उसने एक बयान में कहा, ष्इस दौरान बुकिंग, चेक–इन, बोर्डिंग पास तक पहुंच और कुछ उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं।ष वैश्विक स्तर पर, फ्रंटियर ग्रुप होल्डिंग्स इंक की इकाई, अमेरिका स्थित फ्रंटियर एयरलाइंस ने दो घंटे से अधिक समय तक उड़ानें रोक दीं और इसका कारण माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में आई समस्या बताया। इस व्यवधान के कारण एक अन्य डिस्काउंट एयरलाइन, एलीगेंट एयर, के आरक्षण और बुकिंग पर भी असर पड़ा, जो लगभग 130 विमानों का परिचालन करती है और उसने कहा कि वह समस्याओं के समाधान पर काम कर रही है।

हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव को कप्तानी, गौतम गंभीर के इन 4 फैसलों पर जमकर वबाल

टीम इंडिया के नए हेड कोच बने गौतम गंभीर ने पहली बार अपनी टीम चुन ली है। श्रीलंका के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू होने वाली टी20 और फिर वनडे सीरीज के लिए 18 जुलाई की रात टीम इंडिया का ऐलान किया गया। टीम चयन में गौतम गंभीर की छाप दिखी जहां उन्होंने हार्दिक पंड्या को कप्तानी से हटा दिया और सूर्यकुमार को नया कप्तान बनाया। जबकि ऐसा लग रहा था कि रोहित शर्मा के संन्यास के बाद हार्दिक को कप्तानी मिलेगी। वनडे कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया है।

हार्दिक की जगह सूर्या को कप्तानी

गौतम गंभीर का सूर्यकुमार यादव पर विश्वास जताना कोई भी नई बात नहीं है। लेकिन दूसरी तरफ चिंता वाली बात ये है कि हार्दिक पंड्या को किसी भी तरह के लीडरशिप रोल से बाहर कर दिया गया है। टी20 वर्ल्ड चौंपियन टीम के उपकप्तान रहे पंड्या को हटाकर अब सफेद गेंद के दोनों फॉर्मेट में शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। पंड्या चोटिल होने से पहले 2023 में 50 ओवर के वर्ल्ड कप में भी उपकप्तान थे। वहीं शुभमन गिल को दोनों प्रारूपों में उपकप्तान नियुक्त किए जाने के साथ अब ये साफ हो गया है कि चयन समिति और खास तौर पर गंभीर से गिल को सभी फॉर्मेट में भारत के अगले कप्तान के रूप में तैयार करना चाहते हैं।

शुभमन गिल का औदा बढ़ा

टी20 वर्ल्ड कप में जो शुभमन गिल स्क्वॉड का हिस्सा तक नहीं थे, उन्हें अचानक टीम का उपकप्तान बना दिया गया। ऐसा लगता है कि गंभीर की नजर 2027 वर्ल्ड कप पर टिकी हुई है। भविष्य के कप्तान के रूप में उनका वोट गिल के साथ है। रोहित के 37 और सूर्यकुमार के 33 साल के होने के कारण गंभीर अभी भी नई लीडरशिप तैयार करना चाहते हैं।

कुलदीप, अभिषेक और गायकवाड़ बाहर

वहीं भारत की 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप यादव को टी20 टीम से बाहर कर दिया गया। इसके पीछे कुलदीप का वर्कलोड मैनेजमेंट एक बड़ा कारण हो सकता है। क्योंकि उन्हें टीम में जगह मिली है। गंभीर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ रहे युवा रवि बिश्नोई पर भरोसा जताया है। जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 में 46 गेंद में शतक बनाने वाले अभिषेक शर्मा को टीम में जगह नहीं मिली है। फिलहाल तीसरे नंबर पर अभिषेक के लिए कोई जगह नहीं है, जहां कप्तान खुद बल्लेबाजी करेंगे। इसी तरह चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी टीम में जगह नहीं मिली। हालांकि, रियान पराग को दोनों स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

केकेआर के दो खिलाड़ियों को मिला सपोर्ट

वहीं बीसीसीआई के कॉन्ट्रैक्ट से बाहर हुए श्रेयस अय्यर को गंभीर का सपोर्ट मिला है। अय्यर की पहली बार नेशनल टीम में वापसी हुई है। श्रेयस अय्यर पर गंभीर का विश्वास भी कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि दोनों ने मिलकर केकेआर को 2024 में तीसरा आईपीएल खिताब दिलाया था। केकेआर को चौंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा (वनडे) और रिंकू सिंह (टी20) भी गंभीर की पहली भारतीय टीम में शामिल हैं।

सूर्यकुमार यादव का डेब्यू से कप्तानी तक का सफर, जानें टी20 करियर की बड़ी बातें

इसी महीने 27 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया को टी20 सीरीज खेलनी है। जिसके लिए टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी पहली टीम का ऐलान कर दिया है। वहीं इस टीम में टी20 सीरीज केलिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया है। 33 साल की उम्र में सूर्या को ये जिम्मेदारी मिलना

अपने आप में बहुत बड़ी बात है। क्योंकि 30 साल की उम्र के बाद भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ी को बूढ़ा समझा जाने लगता है जिस कारण उसे लगातार आलोचना का शिकार होने के दौरान उसकी उम्र बढ़ने के ताने भी दिए जाते हैं। लेकिन सूर्या की इस मामले में कहानी पूरी तरह से उलटी नजर आ रही है। टी20 क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव ने 30 साल की उम्र में टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू किया था। 33 साल की उम्र में वह कप्तान बने, 2026 में अगला टी20 वर्ल्ड कप होना है। तब वह 35 साल के होंगे। सबकुछ ठीक रहा तो वह टीम इंडिया की कप्तानी भी करते दिखेंगे। एक दौर था जब सूर्या घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करते थे। आईपीएल में धुआंधार बल्लेबाजी करते थे। इसके बाद टीम में नहीं चुने जाते थे। नाम ना आने पर खिलाड़ी के परिवारवालों से लेकर फैंस तक हर कोई हैरान रह जाता था। एक इंटरव्यू के दौरान सूर्या ने बताया था कि, मेरे पिताजी भी इंडिया ए टीम की घोषणा होती है वेबसाइट चेक करते हैं। वे मुझे फोन करते हैं और बताते हैं कि तुम्हारा नाम उसमें नहीं है। मैं उनसे कहता हूं कि कोई समस्या नहीं है। सूर्या ने 30 साल की उम्र में डेब्यू किया, इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा, केवल 3 साल में ही वह फर्श से अर्श तक पहुंच गए।

सूर्या के टी20 करियर की बड़ी बातें

30 साल की उम्र में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू

31 साल की उम्र में पहला टी20 इंटरनेशनल शतक।

32 साल की उम्र में नंबर 1 टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाज

32 साल की उम्र में टी20 इंटरनेशनल में 900 रेटिंग पॉइंट तक पहुंचने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी।

32 साल की उम्र में पहली बार आईसीसी टी20 इंटरनेशनल शक्रिकेट ऑफ द ईयरश चुने गए।

33 साल में दूसरी बार आईसीसी टी20 इंटरनेशनल 'क्रिकेट ऑफ द ईयर' चुने गए।

33 साल की उम्र में टीम इंडिया के टी20 कप्तान बने।

गौतम अडानी बनेंगे अब आइपीएल टीम गुजरात टाइटन्स के मालिक

टोरन्ट सीवीसी कैपीटल से खरीद सकते हैं टीम, रिपोर्ट में खुलासा

यह ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की लॉक–इन अवधि, जो नई टीमों को हिस्सेदारी बेचने से रोकती है, फरवरी 2025 में समाप्त हो रही है। गुजरात टाइटन्स– तीन साल पुरानी फ्रैंचाइज़– की कीमत 1 बिलियन डॉलर से 1.5 बिलियन डॉलर के बीच हो सकती है।

अडानी समूह और टोरेंट समूह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स में नियंत्रण हिस्सेदारी की बिक्री के लिए निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। इकोनॉमिक टाइम्स ने मामले से जुड़े लोगों के हवाले से बताया कि सीवीसी आईपीएल फ्रेंचाइजी में अपनी बहुलांश हिस्सेदारी बेचने को तैयार है, जबकि अल्पमत हिस्सेदारी अपने पास रखना चाहती है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की लॉक–इन अवधि, जो नई टीमों को हिस्सेदारी बेचने से रोकती है, फरवरी 2025 में समाप्त हो रही है। गुजरात टाइटन्स– तीन साल पुरानी फ्रैंचाइज़– की कीमत 1 बिलियन डॉलर से 1.5 बिलियन डॉलर के बीच हो सकती है। CVC ने 2021 में 5,625 करोड़ रुपये में फ्रैंचाइज़ खरीदी थी। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने ईटी को बताया, श2021 में आईपीएल की अहमदाबाद फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक पाने का मौका चूकने के बाद, अडानी और टोरेंट दोनों गुजरात टाइटन्स में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए आक्रामक रूप से होड़ कर रहे हैं। सीवीसी के लिए यह फ्रेंचाइज़ी में अपनी हिस्सेदारी का मुद्रीकरण करने का एक शानदार अवसर है।'' आउटलेट के अनुसार एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''आईपीएल फ्रेंचाइजी निवेशकों का काफी ध्यान आकर्षित कर रही हैं, क्योंकि लीग ने खुद को ठोस नकदी प्रवाह के साथ एक आकर्षक संपत्ति के रूप में स्थापित किया है।'' गौतम अडानी पहले ही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और यूएई–बीआरडी इंटरनेशनल लीग टी–20 में टीमों का अधिग्रहण करके क्रिकेट में निवेश कर चुके हैं। वर्ष 2023 में, अडानी ने 1,289 करोड़ रुपये की सर्वोच्च बोली के साथ डब्ल्यूपीएल की अहमदाबाद फ्रैंचाइज़ी हासिल की। इससे पहले, गुजरात टाइटन्स के सीओओ अरविंदर सिंह ने कहा था कि फ्रेंचाइजी अगले मीडिया अधिकार चक्र में लाभ में आ जाएगी। यहां तक घ्कि मूल दस फ्रेंचाइजी को भी लाभदायक बनने में चार से पांच साल लग गए। हमें विश्वास है कि न केवल हम लाभ में आ जाएंगे, बल्कि हमारी ब्रांड वैल्यू भी तेजी से बढ़ेगी।

अलग हुए हार्दिक और नताशा के रास्ते, खिलाड़ी ने किया कंफर्म

भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप जीताने वाले स्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या ने अपने निजी जीवन को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने अपने जीवन का बड़ा राज खोल दिया है। उन्होने अपने और अपनी पत्नी नताशा के रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों से पर्दा उठा दिया है। हार्दिक पांड्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि नताशा और हार्दिक ने अलग होने का फैसला कर लिया है। चार साल की शादी के बाद दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चल सका है। दोनों के अलग होने की वजह खुलकर अभी सामने नहीं आई है। हार्दिक पांड्या ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट में बताया है कि वो नताशा से अलग हो रहे है। उन्होंने इस पोस्ट में बेटे अगस्त्य का जिक्र भी किया है। गौरतलब है कि लॉकडाउन में दोनों ने कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद वर्ष 2020 में ही 30 जुलाई को अगस्त्य का जन्म हुआ था। नताशा और हार्दिक ने इसके बाद फरवरी 2023 में हिंदू और ईसाई रीति रिवाज से शादी की थी।

रिश्ता बचाने के लिए उठाए कई कदम

हार्दिक पांड्या और नताशा का रिश्ता किसी फेरी टेल से कम नहीं था। दोनों साथ में काफी खुश थे। इस दौरान बीते 17 महीनों में दोनों के बीच इतनी अधिक दूरियां आई कि दोनों का रिश्ता ही टूट गया। वहीं अब अगस्त्य के भविष्य को लेकर भी कई सवाल उठाए जा रहे है। हार्दिक ने पोस्ट में बताया कि दोनों मिलकर अपने बेटे की देखभाल करेंगे।

हो रही थी तलाक की चर्चा

इंस्टाग्राम पर तलाक का पोस्ट करने के बाद हार्दिक ने अपने पोस्ट में कमेंट का ऑप्शन बंद रखा है। हार्दिक नताशा के तलाक की खबरें तब आनी शुरू हुई थीं जब आईपीएल 2024 के दौरान न ही नताशा किसी मैच में नजर आईं न ही उन्होंने कोई पोस्ट किया था। उसके बाद टी20 वर्ल्ड कप में भी नताशा ने न ही हार्दिक के लिए कोई पोस्ट की और ना ही टीम इंडिया की शानदार जीत पर कोई पोस्ट किया। यहां भी नताशा किसी मैच में नहीं दिखीं।

महिला एशिया कप में भारत–पाकिस्तान मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला एशिया कप 2024 का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को दांबुला में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी आठ टीमों के लिए अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए इस टूर्नामेंट को काफी अहम

माना जा रहा है। बता दें कि, हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस एशिया कप में सबसे मजबूत टीम है, जिसने टी20 प्रारूप में चार में से तीन बार और 50 ओवर के प्रारूप में चार में से तीन बार और 50 ओवर के प्रारूप में चारों बार प्रतियोगिता जीती है। इसके अलावा, भारत महिला एशिया कप टी20 में भी 20 मैचों में 17 जीत के साथ सबसे सफल टीम है। उन्होंने पिछले सीजन के फाइनल में बांग्लादेश को हराया था।

सम्पादकीय.......

दहशत की दस्तक

जम्मू में आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन पर निकले जवानों को एक बार फिर आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया जाना बताता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी। सोमवार को डोडा में हुए आतंकवादी हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों का बलिदान बताता है कि पाक समर्थित आतंकवादियों ने बदले हालात में हमले की रणनीति में बदलाव किया है। कश्मीर के बजाय जम्मू क्षेत्र में दहशत फैलाने की सोची–समझी साजिश रची है। यही वजह है पिछले करीब डेढ़ माह में देश ने जम्मू इलाके में ग्यारह जवानों को खोया है। वहीं दस नागरिक भी आतंकी हिंसा का शिकार बने हैं। बहरहाल, ये हालात उन दावों के विपरीत हैं जिसमें कहा जाता रहा है कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में आतंकवाद पर अंकुश लगा है। सुरक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने सुनियोजित तरीके से घाटी के बजाय जम्मू को आतंकवादी घटनाओं के लिये चुना है। दरअसल, अब तक आतंक का केंद्र रही कश्मीर घाटी में सुरक्षा चक्र मजबूत है। वहीं दूसरी ओर एलओसी पर सख्त नियंत्रण के चलते जम्मू से लगते इंटरनेशनल बॉर्डर को घुसपैठ के लिये चुना गया है। आतंकवादियों द्वारा सैनिकों को निशाना बनाने से साफ है कि पाक सेना के लोग आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। वहीं कश्मीर में सक्रिय लश्कर–ए–तैयबा जैसे संगठन नये छद्म नामों से हमलों की जिम्मेदारी ले रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि जम्मू क्षेत्र में हालिया आतंकी गतिविधियों में वृद्धि की वजह यह भी है कि अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू इलाके में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य तैनाती को घटाया गया है। दरअसल, पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सैनिकों से संघर्ष के बाद बड़ी संख्या में सैनिकों को जम्मू से हटाकर लाइन ऑफ एक्चुएल कंट्रोल पर भेजा गया था। ऐसा चीन की भारी सैन्य तैनाती के बाद किया गया था। वैसे वर्ष 2019 में जम्मू–कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में बदलाव के बाद घाटी में कमोबेश आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई। लेकिन आतंकवादियों ने जम्मू में सुरक्षाबलों की कमी का लाभ उठाकर हमले तेज कर दिये। हालिया घटनाएं केंद्र सरकार को मंथन का संदेश देती हैं कि जम्मू–कश्मीर में दशकों से स्थापित व्यवस्था में परिवर्तन के वक्त विपक्ष को साथ लेकर इस स्थिति को बदलने से उत्पन्न दूरगामी परिणामों पर विचार किया जाना चाहिए था, जिससे क्षेत्र के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती। वहीं दूसरी बात यह भी है कि ये हमले तब तेज हुए हैं जब केंद्र में मजबूत सरकार के बजाय एक गठबंधन सरकार आई है। पाक हुक्मरानों को ये मुगालता रहा है कि कमजोर केंद्र सरकार के दौर में वे अपने मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं। वहीं हमले ऐसे वक्त में बढ़े हैं जब केंद्रशासित प्रदेश में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली की सरगर्मियां बढ़ी हैं। जम्मू–कश्मीर में हाल के लोकसभा चुनावों में बंपर मतदान हुआ था। जो पाक हुक्मरानों को रास नहीं आया। बहरहाल, अब केंद्र सरकार द्वारा सुरक्षा बलों को कार्रवाई की खुली छूट देने, जम्मू क्षेत्र में अधिक सुरक्षाबलों की तैनाती तथा विभिन्न सुरक्षा संगठनों में बेहतर तालमेल से देर–सवेर आतंकियों को कुचलने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, भौगोलिक रूप से बेहद जटिल इलाके में किसी आपरेशन को चलाना कठिन होता है क्योंकि आतंकवादी सुरक्षित मांदों से हमले संचालित कर रहे होते हैं। कठुआ में दो सैनिक ट्रकों पर हमला ऐसी ही सुनियोजित साजिश थी, जिसमें हमने पांच जवानों को खोया था। वहीं जम्मू क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की एक बस को भी निशाना बनाया गया था। हालांकि आतंकवादी छिपने के लिये जंगलों व गुफाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद खुफिया तंत्र को भी मजबूत करने की जरूरत है। वहीं विडंबना यह है कि इन आतंकी हमलों के बाद असहज करने वाले राजनीतिक बयान आए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे को राजनीतिक लाभ का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर सत्तापक्ष विपक्ष को एकजुटता का परिचय देना चाहिए, ताकि आतंकवाद से जूझते सैनिकों का मनोबल ऊंचा रहे। इसके साथ ही सतर्क, संगठित और मजबूत अभियान आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर सकता है।

धर्म-राजनीति को अलग करने की पहल

एजेंसी

मोदी–भाजपा के खिलाफ यह शंकराचार्य का कोई पहला हमला नहीं है। वे पहले प्रमुख धर्माचार्य थे जिन्होंने अयोध्या के आधे–अधूरे रामलला मंदिर की मोदी द्वारा प्राणप्रतिष्ठा का यह कहकर खुला विरोध किया था कि ऐसा करना शास्त्रसम्मत नहीं है।

विभिन्न विषयों पर अपने विचारों को निर्भीकता एवं मुखरता के साथ रखने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शंकराचार्य ने एक महत्वपूर्ण बयान देकर समाज के समक्ष यह सोचने का अवसर और चुनौती दोनों ही पेश कर दी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि श्राजनीतिज्ञों को धर्म के बारे में बात करनी छोड़ना चाहिये तभी उनके जैसे धार्मिक लोग राजनीति पर बोलना छोड़ेंगे। पिछले कुछ समय से भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ कई बयान देकर चर्चा में रहने वाले अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने ताजा बयान में साफ किया है कि श्वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शत्रु नहीं वरन हितैषी हैं। उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनसे पूछा गया था कि क्या धर्माचार्य को राजनीति पर बात करना उचित है? इस पर उन्होंने कहा कि राजनीति में रहने वाले धर्म पर बात करना छोड़ दें, धर्माचार्य भी राजनीति के बारे में बात करना छोड़ देंगे। उनका केवल इशारा मात्र मोदी या भाजपा पर नहीं था, बल्कि उन्होंने यह कहने में भी कोई परहेज नहीं किया कि श्जब मोदी यमराज के सामने खड़े होंगे तो वे उन्हें क्या जवाब देंगे?श उन्होंने साफ किया कि वे मोदी की मदद कर रहे हैं ताकि वे अपने कर्म सुधार सकें। अविमुक्तेश्वरानंद पिछले कुछ समय से भाजपा पर जैसे प्रहार कर रहे हैं, उनमें यह कठोरतम टिप्पणी कही जा सकती है। देखना होगा कि इसका जवाब भाजपा के प्रचार विभाग से क्या आता है। जो भी हो, उनके इस बयान से देश के अनेक धर्माचार्य मोदी–भाजपा के खिलाफ खुलकर सामने आ सकते हैं। पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से मोदी राजनीतिक लाभ लेने के लिये जिस प्रकार से धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे शंकराचार्य भी अनेक धार्मिक संगठनों एवं धर्माचार्यों की तरह ही व्यथित हुए होंगे। सम्भवतरू यही कारण है कि वे पिछले कुछ समय से मोदी एवं भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर हमले बोल रहे हैं। चूंकि वे कोई छोटे–मोटे साधु–संत, बाबा या कथावाचक नहीं हैं इसलिये उन पर भाजपा पलटवार नहीं कर रही है। वैसे अविमुक्तेश्वरानंद साफ करते हैं कि शंकराचार्य होने के नाते किसी भी अधर्म की ओर ध्यान दिलाना उनका कर्तव्य है। अविमुक्तेश्वरानंद हाल ही में देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत की शादी में भी गये थे, जहां उन्होंने मोदी को भी आशार्वाद दिया था। इस बाबत पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ‘वे मोदी के कोई दुश्मन नहीं हैं। उल्टे वे तो मोदी के हितैषी हैं परन्तु जो गलत होता है, उसका वे विरोध करते हैं।’ मोदी–भाजपा के खिलाफ यह शंकराचार्य का कोई पहला हमला नहीं है। वे पहले प्रमुख धर्माचार्य थे जिन्होंने अयोध्या के आधे–अधूरे रामलला मंदिर की मोदी द्वारा प्राणप्रतिष्ठा का यह कहकर खुला विरोध किया था कि ऐसा करना शास्त्रसम्मत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि मंदिर रामानंद सम्प्रदाय को सौंप दिया जाना चाहिये क्योंकि उस पर उसी का अधिकार है। हाल ही में उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब हो गया है। उनका इशारा मंदिर की प्रबन्ध समिति के सदस्यों की ओर सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की ओर था जिसका समिति पर तो वर्चस्व है ही, प्रदेश में भी सरकार है। हालांकि उनके इस बयान से प्रबन्ध समिति ने नाराजगी जतलाते हुए कहा कि श्अविमुक्तेश्वरानंद को विवाद खड़ा नहीं करना चाहिये बल्कि कोर्ट में सबूत पेश करना चाहिये।’ समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय ने तो यहां तक कह दिया कि यदि वे कांग्रेस के एजेंडे को ही आगे बढ़ाना चाहते हैं तो यह दुर्भाग्यजनक है। वे इस बात से भी खफा हैं कि दिल्ली में भी केदारनाथ मंदिर बनाया जा रहा है जिससे केदारनाथ की गरिमा व महत्व घटेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि श्भाजपा सरकार ने केदारनाथ के मूल मंदिर में घोटाला (सोना गायब होना) कर लिया और अब वह दिल्ली में मंदिर बनाकर घोटाला करना चाहती है। उन्होंने लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गाधी के उस बयान का भी बचाव किया था जिसमें उन्होंने मोदी और भाजपा पर हिंसक होने का आरोप लगाया था। इसे तोड़–मरोड़कर मोदी ने यह कहकर प्रचारित किया कि राहुल हिन्दुओं को हिंसक बतला रहे हैं। इसे लेकर भाजपा ने देश भर में राहुल व कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर माहौल बनाने की कोशिश भी की थी। शंकराचार्य ने साफ किया कि उन्होंने राहुल का लोकसभा का पूरा बयान देखा है और राहुल ने कहीं भी हिन्दुओं को हिंसक नहीं कहा है। उन्होंने इस बयान को गलत ढंग से पेश करने की जमकर आलोचना की थी। यहां तक तो फिर भी ठीक था, अविमुक्तेश्वरानंद ने भाजपा को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पक्ष में बड़ा बयान देकर बहुत मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने कहा है कि ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है और वे उन्हें फिर से सीएम के पद पर देखना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व ही वे मुंबई में थे जहां उन्हें ठाकरे ने अपने निवास स्थान मातोश्री में आमंत्रित कर उनकी पूजा–अर्चना की थी। उन्होंने वहां बयान दिया कि असली हिन्दू विश्वासघात नहीं कर सकता और ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है। उनके इस बयान का महाराष्ट्र में जबर्दस्त प्रभाव पड़ा है जहां अक्टूबर में विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। वहां पहले से ही भाजपा अपने सहयोगियों– शिवसेना (शिंदे गुट) तथा एनसीपी (अजित पवार) के साथ संकट में है जिसकी बानगी लोकसभा चुनाव में दिख गई है। वैसे अविमुक्तेश्वरानंद के बयानों का महत्व महाराष्ट्र की राजनीति के परिप्रेक्ष्य में ही न होकर देश की हालिया सियासत से भी है। भाजपा को सही रास्ते पर लाने में उनके बयान कितनी भूमिका निभा पायेंगे, यह देखना होगा।

शंकराचार्य की खरी-खरी

सर्वमित्रा सुरजन

ज्योतिर्मठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पिछले दिनों उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे के विवाह में अपना आशीर्वाद देने पहुंचे थे। अपने मुंबई प्रवास के दौरान शंकराचार्य शिवसेना मुखिया उद्धव ठाकरे के निवास भी पहुंचे और इसके बाद उन्होंने कुछ बयान दिए, जिनसे नयी राजनैतिक हलचल उठी। इसके बाद शंकराचार्य को नसीहत दी गई कि उन्हें राजनैतिक मसलों पर नहीं बोलना चाहिए। हालांकि इस नसीहत का माकूल जवाब शंकराचार्य ने दिया है। मगर इससे राजनीति में धर्म की स्वार्थवश की जा रही मिलावट पर विचार करने का एक बड़ा अवसर देश को मिल गया है। धर्म और राजनीति को लेकर 15वीं सदी के संत कवि कुंभनदास ने अकबर के दरबार से लौटने के बाद जो पद लिखा था, वह 22वीं सदी में भी अपनी प्रासंगिकता साबित कर रहा है। अष्टछाप के कवि कुंभनदास ब्रजभूमि में रहते थे, उन्होंने महाप्रभु वल्लभाचार्य से दीक्षा ली थी। एक बार उन्हें अकबर के दरबार में फतेहपुर सीकरी आमंत्रित किया गया और वहां उनका पूरा सम्मान भी हुआ, लेकिन फिर भी भगवद्भक्ति में डूबे रहने वाले कुंभनदास का मन शहंशाह के दरबार जाकर भी खिन्न हो गया, क्योंकि वहां उन्हें ऐसे लोगों से भी भेंट करनी पड़ी, जो धर्म के विपरीत काम करते थे और जिन्हें देखकर खुशी नहीं होती थी। सीकरी से लौटकर कुंभनदास ने लिखा कि संतन को कहा सीकरी सों काम? आवत जात पनहियां टूटी, बिसरि गयो हरि नाम।। जिनको मुख देखे दुख उपजत, तिनको करिबे परी सलाम।। कुंभनदास लाल गिरिधर बिनु और सबै बेकाम।। कुंभनदास के इस पद से स्पष्ट हो जाता है कि धर्म और राजनीति दो अलग–अलग क्षेत्र हैं। लेकिन भारत की राजनीति में अब धर्म को एक बड़ा मुद्दा बना लिया गया है। खासकर भारतीय जनता पार्टी की तो पूरी राजनीति ही हिंदुत्व के इर्द–गिर्द शुरु हुई और उसी पर आगे बढ़ी। अगर लालकृष्ण आडवानी सोमनाथ से रथयात्रा लेकर अयोध्या की ओर नहीं निकलते या भाजपा राम मंदिर निर्माण को अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं करती तो उसकी पकड़ कभी सत्ता पर बन ही नहीं सकती थी। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी धर्म के इस राजनैतिक उपयोग से आशंकित थे। क्योंकि उन्होंने आजादी की लड़ाई के दौरान देखा कि किस तरह अंग्रेजों ने भारत की धार्मिक विविधता को समझ कर, उसमें फूट डालने की कोशिश कर फिर उसे अपनी सत्ता के लिए इस्तेमाल किया। 1905 के बंग–भंग के फैसले से लेकर 1947 में भारत–पाक विभाजन तक अंग्रेज इसी खेल पर ही राज करते रहे। जनता धर्म के राजनैतिक इस्तेमाल के असल मकसद को नहीं समझ पाई तो सावरकर और जिन्ना को द्विराष्ट्र सिद्धांत को आगे बढ़ाने का मौका मिला। गांधीजी की हत्या जैसा जघन्य अपराध भी राजनीति में धर्मांधता के घातक असर से संभव हुआ। इसलिए जब 1951 में सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा था और इसके लिए राष्ट्रपति डा.राजेंद्र प्रसाद को आमंत्रित किया गया कि उन्हीं के हाथों से यह कार्यक्रम संपन्न हो, तो नेहरू जी ने इसके खिलाफ अपनी राय प्रकट की थी। उन्होंने एक चिट्ठी लिखकर राजेंद्र बाबू को मशविरा दिया था कि उन्हें इस कार्यक्रम में नहीं जाना चाहिए। नेहरू के मुताबिक प्रसाद की सोमनाथ मंदिर यात्रा राजनीतिक महत्व ले रही है। यह सरकारी कार्यक्रम नहीं है। लिहाजा, उन्हें इसमें नहीं जाना चाहिए। हालांकि डा. राजेन्द्र प्रसाद ने नेहरूजी की राय नहीं मानी, वे सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के लिए गए। लेकिन नेहरूजी की दूरदृष्टि ने जिस आशंका को भांप लिया था, वह सही साबित हुई। सोमनाथ मंदिर से शुरु हुआ सिलसिला अयोध्या तक पहुंचा और भाजपा का तो नारा ही बना कि अयोध्या तो झांकी है, काशी, मथुरा बाकी है। भाजपा ने हिंदुत्व की सीढ़ी को सत्ता तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल किया। इसमें कई नामी–गिरामी संतों समेत आम जनता के भी बड़े वर्ग को यह बात नजर नहीं आई कि राम मंदिर का निर्माण भाजपा के लिए धार्मिक नहीं सियासी मकसद है। लेकिन इस साल 22 जनवरी को जब नरेन्द्र मोदी के हाथों राम मंदिर का उद्घाटन तय हुआ, तब बहुत से लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची। क्योंकि वे यह मानकर चल रहे थे कि मंदिर का उद्घाटन किसी धर्मगुरु के हाथों होगा। शंकराचार्यों ने जब यह सवाल उठाया कि आधे–अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा क्यों की जा रही है। क्यों धार्मिक मानदंडों का पालन नहीं हो रहा। तब भाजपा के आईटी सेल की ओर से शंकराचार्यों को ही निशाने पर लिया गया। इसके साथ ही अयोध्या में मंदिर निर्माण के नाम पर इकट्ठी की गई अकूत धनराशि के हिसाब पर सवाल उठे, अयोध्या में जमीन घोटाला सामने आया, कुछ दिन पहले यह जानकारी भी सामने आई कि मंदिर के आसपास कई एकड़ जमीन पर अब भाजपा के नेताओं और उसके करीबियों का मालिकाना हक हो गया है, ऐसे तमाम खुलासों से यह जाहिर हो गया कि भाजपा के लिए राम का नाम राजनैतिक एजेंडे से अधिक कुछ नहीं है। इससे उन लोगों को गहरी ठेस पहुंची जिन्होंने यह उम्मीद पाल ली थी कि उनके धर्म को अब तक जो भी खतरा था, वह सब श्री मोदी के सत्ता में आने से दूर हो जाएगा। धर्म के नाम पर लोगों को अपने ठगे जाने का अहसास हुआ तो उन्होंने अयोध्या में भाजपा के उम्मीदवार को हरा दिया। इसके बाद बद्रीनाथ उपचुनाव में भी भाजपा प्रत्याशी को हार मिली, क्योंकि बद्रीनाथ की जनता भी इस बात से दुखी बताई जा रही है कि वहां धर्म से ज्यादा पर्यटन और कारोबार को बढ़ावा देकर लोगों की धार्मिक भावनाओं को छला जा रहा है। अब केदारनाथ में भी उपचुनाव होने हैं, और भाजपा से नाराजगी यहां भी सामने आ रही है। भाजपा जिस तरह दूसरे दलों में तोड़–फोड़ कर सत्ता हासिल करती जा रही है, वह भी बहुत से लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इसी को विश्वासघात बताते हुए कहा था कि उद्धव ठाकरे के साथ यह ठीक नहीं हुआ। उन्होंने इसे हिंदू धर्म में बड़ा पाप बताया। जिस पर शिंदे गुट के नेता संजय निरूपम ने कहा कि वे धर्म के मसलों पर बातें करें, राजनीति से जुड़े विषयों पर उन्हें नहीं बोलना चाहिए, ये गलत है। शंकराचार्य ने इस पर सटीक जवाब दिया कि राजनीति के लोग धर्म में हस्तक्षेप बंद करें। हम भी राजनीति में बोलना बंद कर देंगे। शंकराचार्य ने यह सवाल भी उठाया कि जो राजनीतिज्ञ हैं, क्या उनके जीवन में जो धर्म है, उसका पालन उन्हें नहीं करना चाहिए। उन्होंने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि जब मोदीजी मंदिर का उद्घाटन करते हैं तो मीडिया उसे लाइव दिखाता है, इस काम का स्वागत किया जाता है। शंकराचार्य ने कहा कि हमने राजनीति की बात नहीं की, धर्म की बात की। जो सच्चा धर्म है, हिंदुत्व है, उसके बारे में लोगों को बताना हमारा कर्तव्य है। शंकराचार्य की इन खरी–खरी बातों से भाजपा की धर्म के इर्द–गिर्द चल रही राजनीति पर फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। अधूरे बने मंदिर के उद्घाटन पर न जाकर शंकराचार्य ने पहले भी भाजपा को कटघरे में खड़ा किया था। इसके बाद राहुल गांधी के संसद में हिंदुत्व पर दिए बयान को भाजपा ने मीडिया के जरिए जब मुद्दा बनाने की कोशिश की, तब भी शंकराचार्य ने पत्रकारों को नसीहत दी थी कि वे पूरा बयान सुनें और फिर उस पर सवाल करें। उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात और सच्चे हिंदुत्व की बात उठाकर शंकराचार्य ने भाजपा की राजनीति पर सवाल उठाए और अब उन्हें उनका दायरा समझाने वालों को बता दिया कि राजधर्म का पालन करने की जरूरत किसे है और वे किस तरह अपने धर्म का निर्वाह कर रहे हैं। 15वीं सदी में अगर संतों का काम सीकरी में नहीं था, तो 22वीं सदी में सीकरी को भी यह बात समझ आनी चाहिए कि संतों के कामों में उसकी दखलंदाजी की कोई जरूरत नहीं है।

केरल में लोकसभा चुनाव में वामपंथी वोटों के खिसकने से भाकपा नेतृत्व चिंतित

सात्यकी चक्रवर्ती

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की राष्ट्रीय परिषद ने 11 से 14 जुलाई तक नई दिल्ली में अपने तीन दिवसीय सत्र में 2024 के लोकसभा चुनावों में केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के प्रदर्शन पर गहन आत्ममंथन किया। पार्टी ने 2021 के राज्य विधानसभा चुनावों की तुलना में 2024 के चुनावों में एलडीएफ के वोटों में गिरावट के मूल कारणों की जांच की और उसके आधार पर दिशा–निर्देशों में सुधार करने का फैसला किया, ताकि पार्टी अपने एलडीएफ सहयोगियों के साथ 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ और भाजपा का सामना करने के लिए अधिक तैयार हो सके। एलडीएफ को 2024 के लोकसभा चुनावों में केरल में कुल 20 में से केवल एक सीट मिली। 2019 के लोकसभा चुनावों में भी, एलडीएफ को केवल एक सीट ही मिली थी, लेकिन 2024 के चुनावों में, चिंताजनक बात यह थी कि एलडीएफ को वोटों का नुकसान हुआ और भाजपा ने पहली बार त्रिशूर से एक लोकसभा सीट जीती तथा जाने–माने सीपीआई उम्मीदवार को हराया। सीपीआई केरल में चार सीटों पर चुनाव लड़ी और चारों में हार गयी। सीपीआई नेतृत्व ने केरल के प्रदर्शन पर सीपीआई (एम) नेतृत्व द्वारा की गयी समीक्षाओं और सीपीआई (एम) द्वारा इस बात को स्वीकार करने पर भी ध्यान दिया कि एलडीएफ सरकार और लोगों के बीच संबंध नहीं थे। इसके अलावा, सीपीआई (एम) नेता इस बात पर सहमत हुए कि कई निचले स्तर के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप थे और इसने हाल के लोकसभा चुनावों में एलडीएफ की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। राष्ट्रीय परिषद् की बैठक में चर्चा का मुख्य विषय केरल में वामपंथी छवि को कैसे सुधारा जाये, इस पर था, लेकिन यह महसूस किया गया कि एलडीएफ के प्रमुख भागीदार के रूप में माकपा को एलडीएफ सरकार की छवि को सुधारने के लिए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने होंगे, क्योंकि 2026 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार को हटाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। यह जरूरी है कि सभी भागीदार, खासकर भाकपा और माकपा अगले दो वर्षों में यूडीएफ और भाजपा दोनों का मुकाबला करने के लिए संयुक्त रूप से बड़ा अभियान शुरू करें। बैठक के बाद जारी एक बयान में भाकपा ने भारत के लोगों को भाजपा को बहुमत न देकर और इंडिया ब्लॉक को मुख्य विपक्ष बनाकर संविधान बदलने की उसकी साजिश को विफल करने के लिए बधाई दी। हालांकि, अगर पार्टियों के बीच उचित सीट बंटवारा और आपसी सामंजस्य होता तो इंडिया ब्लॉक बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। बयान में कहा गया कि इसके बावजूद इंडिया ब्लॉक एक मजबूत ताकत के रूप में उभरा है और भविष्य में इसके मजबूत होने की उम्मीद है और भाकपा इसके लिए प्रयास करेगी। भाकपा ने आशंका जताई कि भाजपा सरकार का आक्रामक, अलोकतांत्रिक कामकाज जारी रहेगा, जैसा कि 1 जुलाई 2024 से तीन नये आपराधिक कानूनों को लागू करने और भाजपा नेताओं के पास सभी पुराने विभागों को जारी रखने से स्पष्ट है। विपक्षी नेताओं को परेशान करने और असहमति को दबाने के लिए सभी सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग जारी रहेगा और आगे भी इसमें बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, बयान में कहा गया है। बयान के मुताबिक, चुनाव नतीजों से पता चला है कि कैसे वामपंथियों ने 543 में से केवल नौ सीटें (2 सीपीआई, 4 सीपीआई (एम), 2 सीपीआई (एमएल), तथा 1 आरएसपी) जीती हैं। सभी सदस्यों द्वारा गंभीर चिंता व्यक्त की गयी है और पार्टी और आंदोलन को मजबूत करने के कार्यों को राष्ट्रीय परिषद द्वारा अपनाया गया है। चूंकि पार्टी 26 दिसंबर 2024 से अपने गठन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रही है, राष्ट्रीय परिषद् ने पार्टी और आंदोलन को फिर से सक्रिय करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों को शुरू करने का निर्णय किया है। भाकपा का मानना है कि भाजपा ने अपना एक पार्टी का शासन खो दिया है, लेकिन अधिक प्रयासों के साथ नफरत, ध्रुवीकरण नवउदारवादी नीतियों और कॉर्पोरेट एजेंडे की अपनी राजनीति जारी रखेगी। ऐसे में प्राथमिक कार्य देश के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ढांचे और संविधान की रक्षा में सभी धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और वामपंथी ताकतों के बीच सहयोग को मजबूत करना होगा। सीपीआई ने कहा कि पार्टी संसद के अंदर और बाहर भाजपा और एनडीए से मुकाबला करने के लिए इंडिया ब्लॉक का समर्थन करना जारी रखेगी। सीपीआई इंडिया ब्लॉक के साथ बनी रहेगी, जो उदार बुर्जुआ और क्षेत्रीय दलों का एक व्यापक मंच है जो भाजपा को हराने के लिए एक साथ आये हैं। एक महत्वपूर्ण कार्य कम्युनिस्ट और व्यापक वामपंथ की एकता को मजबूत करना है जिसके लिए प्रयास करना होगा। इसलिए राष्ट्रीय परिषद के बयान में कहा गया है कि अभी से महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू–कश्मीर में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक और संगठनात्मक तैयारी करनी होगी। राष्ट्रीय परिषद् की बैठक में अपनाये गये प्रस्ताव में सीपीआई ने मोदी सरकार के वित्त मंत्री से आगामी बजट में स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के कम से कम 3 प्रतिशत तक बढ़ाने का अनुरोध किया। भारत का वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय उसके जीडीपी का केवल 1.35प्रतिशत है, जो दुनिया में सबसे कम है। इससे एक बड़ी आबादी के लिए जेब से अधिक खर्च हो रहा है। मार्च 2022 की विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल 17प्रतिशत से ज्यादा भारतीय परिवार स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा खर्च करते हैं, जिससे लोग गरीबी में खिसक जाते हैं। विनाशकारी स्वास्थ्य व्यय को आऊट–ऑफ–पॉकेट भुगतान के रूप में परिभाषित किया जाता है जो स्वास्थ्य सेवा के लिए किसी परिवार के संसाधनों के एक निश्चित प्रतिशत से अधिक होता है। रिपोर्ट का अनुमान है कि उच्च स्वास्थ्य व्यय सालाना लगभग 550 लाख भारतीयों को गरीब बनाता है। भारत को संक्रामक रोगों के उच्च बोझ, बढ़ती गैर–संचारी रोग महामारी और अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे सहित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चल रही महामारी ने हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की कमजोरियों को और उजागर कर दिया है। भाकपा ने कहा कि 2024–25 के बजट में स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के 3 प्रतिशत तक बढ़ाना जरूरी होगा।

सालाना 5 करोड़ कमाने वाले पंकज त्रिपाठी मिडिल क्लास की तरह जीते हैं जिंदगी, जानें कारण

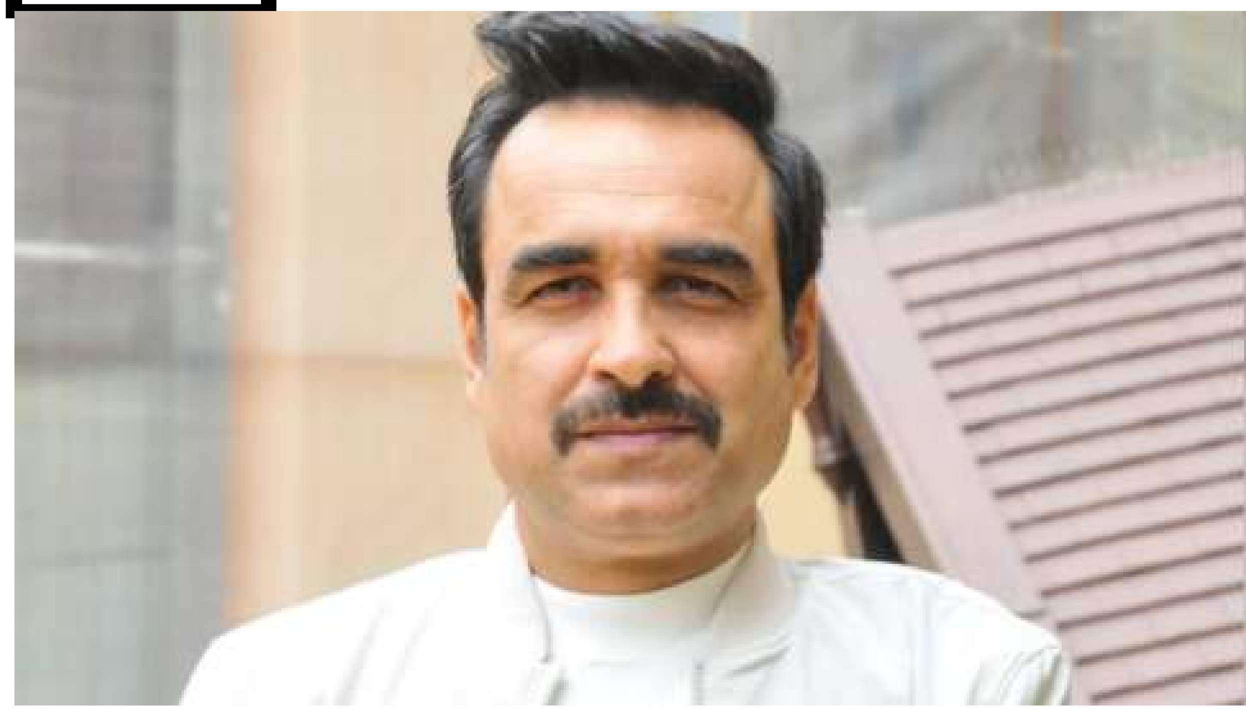

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक और नेशनल अवॉर्ड विजेता पंकज त्रिपाठी अपने किरदार को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए जाने जाते है। वह लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के बजाय साधाराण जिंदगी जीना पसंद करते है। अपने लाइफस्टाइल को लेकर पंकज ने आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा, "आपने देखा होगा कि मैं अपनी निजी जिंदगी में कैसा हूं। मैं एक मिडिल क्लास व्यक्ति हूं। मेरा काम भले ही ऐसा न लगे, लेकिन मेरे जीने का तरीका वास्तव में वैसा ही है मैं अपनी जिंदगी को बिल्कुल ऐसे ही एन्जॉय करता हूं।" पंकज त्रिपाठी ने कहा– मैंने अपना काम कम कर दिया है, ताकि मैं अब जिंदगी को बेहतर तरीके से बैलेंस कर सकू। मैं अभी घर पर हूं। जब तक मेरी पत्नी मुझसे परेशान नहीं हो जाती, मैं घर पर ही रहूंगा। अभी मैं कम काम कर रहा हूं। पहले मैं ज्यादा काम करता था और बहुत बिजी रहता था। एक्टर ने कहा मैं कुछ समय के लिए कम काम करूंगा। वहीं त्रिपाठी का मानना घ्है कि स्क्रीन पर ज्यादा एक्सपोजर से लोग बोर हो जाएंगे और मैं भी। पंकज ने कहा, प्रमोशन के बाद मैं निकलना पसंद करता हूं। उन्होंने आगे कहा, जब बात मेरे प्रोजेक्ट्स की आती है तो मैं सबसे कम जानकारी रखने वाला व्यक्ति हूं, क्योंकि मैं काम करके वापस घर भागता हूं। निर्माता जानते हैं कि मुझे कोई जानकारी नहीं चाहिए, तो फिर क्यों बताएं? पंकज ने कहा, मैं काम करता हूं और घर आ जाता हूं। जब फिल्म के लिए एडिटिंग होती है या नहीं, तो वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि उन्हें किसी शूट के लिए डेट चाहिए, तो मैं हां कह देता हूं। मुझे कोई आइडिया नहीं होता। मिर्जापुर 3' में पंकज को बहुत कम स्क्रीन स्पेस दिया गया था। इस सीरीज में उन्होंने कालीन भैया की भूमिका निभाई थी। यह पूछे जाने पर कि कालीन भैया को इतना पसंद क्यों किया जाता है, पंकज ने कहा, "वह एक नए तरह का डॉन है। ट्रेडिशनल डॉन नहीं। वह शालीन व्यक्ति है, लेकिन उसका काम अजीब है। उनमें एक खास तरह की कॉमेडी थी, जो इस सीजन में नहीं थी, क्योंकि वह लो लाइफ में है। उनका मानना हैं कि कालीन भैया में कुछ पसंद करने लायक है।उन्होंने कहा, उनमें कुछ तो है, जो पसंद करने लायक है, जिसे मैंने बनाने की कोशिश की क्योंकि राइटिंग में वह सिर्फ एक खलनायक थे, लेकिन एक्टिंग करते समय यह उस रूप में आ गए और यही करेक्टर में अनूठा है। एक्टर के बारे में बात करें तो उनका जन्म 28 सितम्बर 1976 को बिहार के गोपालगंज जिले के बेलसंड गांव में हुआ था। वह आज जिस मुकाम पर हैं, वहां पहुंचने में उन्हें कड़ा संघर्ष करना पड़ा। कॉलेज के दिनों में वह प्ले में हिस्सा लेते थे। एक्टर बनने के लिए उन्होंने कई ऑडिशन दिए। साल 2004 में उन्हें टाटा टी का एड मिला, जिसमें वह नेता बने। उसी साल उन्हें अभिषेक बच्चन

> "आपने देखा होगा कि मैं अपनी निजी जिंदगी में कैसा हूं। मैं एक मिडिल क्लास व्यक्ति हूं। मेरा काम भले ही ऐसा न लगे, लेकिन मेरे जीने का तरीका वास्तव में वैसा ही है मैं अपनी जिंदगी को बिल्कुल ऐसे ही एन्जॉय करता हूं।" पंकज त्रिपाठी ने कहा- मैंने अपना काम कम कर दिया है, ताकि मैं अब जिंदगी को बेहतर तरीके से बैलेंस कर सकू।

की फिल्म 'रन' में छोटा सा रोल भी मिला। लेकिन उनके करियर को उड़ान अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से मिली। इसके बाद उन्हें 'फुकरे', 'मसान', 'निल बटे सन्नाटा', 'बरेली की बर्फी', 'न्यूटन', 'मिमी', 'स्त्री', 'लूडो', 'गुंजन सक्सेनारू द कारगिल गर्ल', 'बच्चन पांडे' जैसी हिट फिल्मों में देखा गया। पंकज त्रिपाठी ओटीटी पर भी छाए रहे। 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 3', 'सेक्रेड गेम्स', 'मिर्जापुर' जैसी सीरीज को काफी पसंद किया गया।

टीवी एक्ट्रेस शांभवी सिंह बारिश में मौज–मस्ती को करती हैं मिस

टीवी एक्ट्रेस शांभवी सिंह ने मानसून से जुड़ी अपनी कुछ यादें ताजा की हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह मौसम बेहद पसंद है। लेकिन वह अब इसका पूरा आनंद नहीं ले पातीं। सुपरनैचुरल थ्रिलर 10.29 की आखिरी दस्तक में प्रीति की भूमिका निभाने वाली शांभवी सिंह ने कहा, मानसून का मौसम मुझे बेहद पसंद है। मैं हमेशा ही इसका मजा लेती हूं। मुझे याद है कि स्घ्कूल के दिनों में मैं हमेशा बारिश का इंतजार करती थी, क्योंकि भारी बारिश के कारण हमें स्कूल से छुट्टी मिल जाती थी। उन्होंने कहा, मैं उन दिनों जानबूझकर घर पर छाता भूल जाती थी ताकि मैं घर आते समय भीग कर अपने दोस्तों के साथ मौज–मस्ती कर सकूं। मेरी मां इस पर बहुत नाराज होती थी, क्योंकि मैं अक्सर इसके बाद बीमार पड़ जाती थी। मुझे लगता है कि हर बच्चे के पास बारिश से जुड़ी हुई अपनी खास यादें होती हैं। उन्होंने कहा, कभी–कभी बड़े होने के साथ–साथ लोग बदलने लगते हैं, लेकिन उनके बारे में एक चीज जो नहीं बदली है, वह है बरसात के मौसम के लिए उनका प्यार। एक्ट्रेस ने कहा, अब चीजें थोड़ी अलग हैं क्योंकि मुझे अब अपनी खिड़की के पास बैठकर अपनी मां के हाथ की पुदीने की चटनी और पकोड़े खाने का समय नहीं मिलता। मुझे काम के चक्कर में मेरी पसंदीदा चीजों के लिए समय ही नहीं मिलता। उन्होंने बताया कि 10.29 की आखिरी दस्तक की शूटिंग शुरू होने के बाद से उन्होंने नाइट शिफ्ट में काम किया है। उन्होंने कहा, मैं इतना थक जाती हूं कि दिन के समय बस सोना चाहती हूं। इसलिए ट्रेवल करते समय मैं अक्सर बारिश का आनंद लेती हूं, अपनी खिड़की खुली रखती हूं और सुनिश्चित करती हूं कि मेरे चेहरे पर बारिश की बूंदें पड़ें और मैं मानसून के हर पल का आनंद ले सकूं। शो में राजवीर सिंह अभिमन्यु सिन्हा की भूमिका में हैं। इसमें आयुषी भावे और कृप सूरी भी हैं। यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

अपनी स्पीच से नीता अंबानी ने रुला दिया सभी को, कन्यादान से पहले बहू को लेकर किया ये वादा

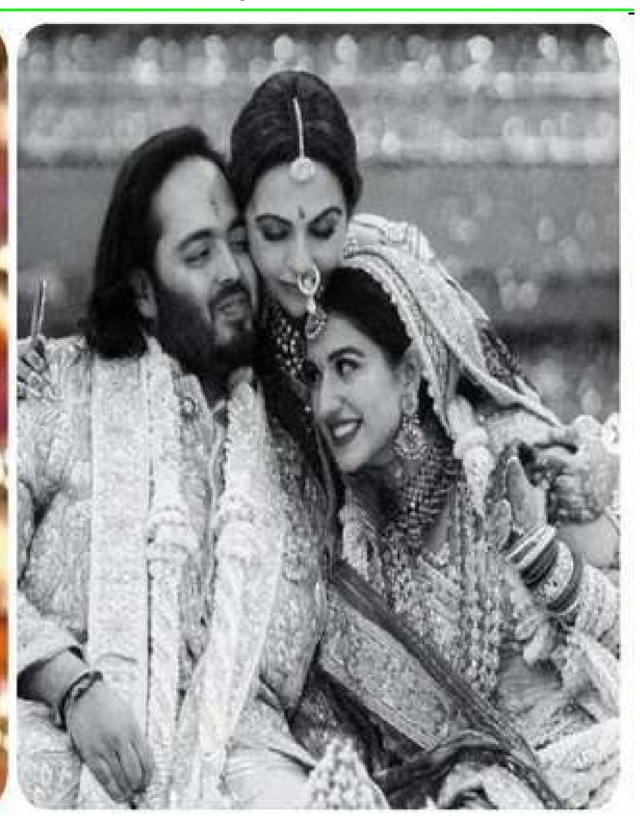

रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी के चर्चे पिछले 7 महीने से चल रहे हैं। वैसे तो इस ग्रैंड वेडिंग से जुड़े कई वीडियो और तस्वीरें सामने आ रही है, पर एक वीडियो ऐसा देखने को मिला जिसने सभी को भावुक कर दिया। मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी ने कन्यादान का महत्व विस्तार से बताकर दिल छू लिया। अनंत और राधिका की शादी के दौरान कन्यादान पूजन से ठीक पहले नीता अंबानी ने अपनी स्पीच में हिंदू संस्कृति में बेटियों के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि शादी दो परिवारों का मिलन होता है, जिसमें एक परिवार को बेटा मिलता है और दूसरे परिवार को एक बेटी मिलती है। इस दौरान सात जन्मों को लेकर भी बात की। वीडियो में नीता अंबानी कहती सुनाई दे रही है कि– "हमारी बेटियां घर को स्वर्ग बना देती है. स्त्री पूजनीय है, वो जननी है वो अन्नपूर्णा है, वो सुख–समृद्धि और एश्वर्य लाती है। इसलिए हम धरती को मां कहते हैं, नदियों को मां कहते हैं और भारत को भी भारत मां कहते हैं, स्त्री ज्ञान है, बल है, सुख है, शांति है, इसलिए वो सरस्वती है, लक्ष्मी है और स्त्री अनंत की चेतना है।वह कहती हैं कि– हिंदू धर्म में शादी एक जन्म का नहीं बल्कि सात जन्मों तक एक दूसरे का साथ निभाने का वादा है। ये विश्वास है कि हर जन्म में आप अपने पार्टनर को किसी ना किसी तरह से पा ही लेंगे। शादी में सबसे खास रस्म जो होता है वो श्कन्यादानश होता है, जिसमें दुल्हन के पेरेंट्स अपनी बेटी का हाथ दूल्हे को सौंपते हैं। मैं भी किसी की बेटी हूं, एक बेटी की मां हूं और एक बहू की सास हूं। तो मैं ये अच्छी तरह से जानती हूं कि कोई भी मां–बाप अपने बच्चों से दूर नहीं जा सकते।

करीना ही नहीं नीता अंबानी के लाडले से भी है तैमूर की नैनी का गहरा नाता, शेयर की अनंत की अनदेखी तस्वीर

करीना कपूर और सैफ अली खान के बेटे तैमूर की नैनी के रूप में मशहूर हुईं नर्स ललिता डिसिल्वा, देश के सबसे अमीर परिवार का भी हिस्सा रह चुकी हैं। जी हां मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत की बचपन में देखभाल ललिता ही करती थी। ऐसे में शादी के मौके पर वह दूल्हे को राजा को आशीर्वाद देने पहुंची। अंबानी परिवार के साथ उनकी कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। डिसिल्वा ने अपने इंस्टाग्राम पर भव्य शादी के रिसेप्शन की कई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह अनंत को गले लगाती नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा– ष्अनंत बाबा और अंबानी परिवार ने मेरे जीवन में जो खुशी और प्यार लाया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। हमने जो सुखद यादें और गर्मजोशी भरे पल साझा किए हैं, मैं उन्हें संजोकर रखती हूं और मैं मैं उनके अटूट प्यार और सम्मान के लिए आभारी हूं। तैमूर की नैनी ने आगे लिखा– इतने वर्षों के बाद भी, उनकी दयालुता और उदारता मुझे प्रेरित करती है। उन्होंने डिज्नी वर्ल्ड पेरिस की अपनी यात्रा की एक पुरानी तस्वीर शेयर भी की है, जिसकी अनंत काफी छोटे दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा–ष्यह मैं और अनंत अंबानी पेरिस डिज्नी वर्ल्ड में हैं. यहीं से मैंने अपनी बेबी केयर जॉब शुरू की थी। अनंत बचपन में बहुत अच्छे बॉय थे और आज तक उन्हें परिवार और सोशल ग्रुप में सभी से प्यार करते हैं, आज उनका बड़ा दिन है मैं उन्हें उनके सुखी वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं देती हूं, भगवान इस जोड़े को आशीर्वाद दे.।

रिधिमा पंडित ने अरबाज खान और पत्नी शूरा के रिश्ते के बारे में खुलकर बात कही- 'दोनों के बीच बहुत प्यार और सम्मान है'

रिधिमा पंडित 'बहू हमारी रजनीकांत' में अपनी भूमिका के लिए जानी जाने वाली एक लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हैं। हाल ही में शूरा खान के साथ अपने करीबी रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने अरबाज खान की भी खूब तारीफ की।

रिधिमा पंडित ने शूरा खान की तारीफ की

फिल्मीज्ञान से बातचीत के दौरान जब रिधिमा से अरबाज खान की पत्नी शूरा खान के साथ उनके करीबी रिश्ते के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया, दरअसल शूरा और मेरी बहन बहुत अच्छी दोस्त हैं। मैं अपनी बहन के ज़रिए शूरा से मिली। और शूरा एक बहुत ही प्रतिभाशाली मेकअप आर्टिस्ट हैं। वह अपने काम में शानदार हैं और वह एक अद्भुत इंसान भी हैं और मैं एक और मिस्टर वाला हिसाब हो गया हो से उन्हें बहन के रूप में पाकर धन्य हूँ। बिलकुल वह मेरी बहन की तरह है और हम बहुत करीब हैं और वह एक प्यारी लड़की है और मैं उसके लिए बहुत खुश हूं।

अरबाज खान और शूरा खान के रिश्ते के बारे में बताया

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अरबाज और शूरा के बीच के रिश्ते के बारे में बात की और कहा, हम अरबाज को एक कहते हैं और मैं उन दोनों के लिए बहुत खुश हूं, वे एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं और एक दूसरे के लिए बहुत खुश हैं। उन्होंने यह भी कहा, ''वह उनसे बहुत प्यार करते हैं और उनके बीच बहुत प्यार और सम्मान है। मुझे लगता है कि अगर आप मुझसे पूछें तो यह आदर्श रिश्ता है।'' उन्होंने अरबाज की भी प्रशंसा की और कहा, वह एक प्यारे इंसान हैं। वास्तव में, जब मैं अपने जन्मदिन के लिए लंदन में थी, तो वह बहुत, वह इतने दयालु थे कि उन्होंने मुझे शुभकामनाएँ दीं, वह बहुत प्यारे थे, वह बिल्कुल ऐसे हैं जैसे एक दोस्त का पति होता है। आप उस पल ऐसा महसूस नहीं करते कि ठीक है, वह एक इकाई है। वह अरबाज खान है। वह बस, वह आपको यह भूलने देता है। वह बहुत अच्छा है। वह बहुत विनम्र है।

> एक्ट्रेस ने आगे कहा, अरबाज और शूरा के बीच के रिश्ते के बारे में बात की और कहा, हम अरबाज को एक कहते हैं और मैं उन दोनों के लिए बहुत खुश हूं, वे एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं और एक दूसरे के लिए बहुत खुश हैं। उन्होंने यह भी कहा, "वह उनसे बहुत प्यार करते हैं और उनके बीच बहुत प्यार और सम्मान है। मुझे लगता है कि अगर आप मुझसे पूछें तो यह आदर्श रिश्ता है।"

रिधिमा का एक्टिंग करियर

रिधिमा पंडित को टीवी शो 'बहू हमारी रजनी कांत' में उनके किरदार के लिए जाना जाता है। एक्ट्रेस 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 9' और शबिग बॉस ओटीटी' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी भाग ले चुकी हैं। इसके अलावा, वह 'हम–आई एम बिकॉज ऑफ अस' और 'हैवान: द मॉन्स्टर' जैसे अन्य टेलीविजन शो में भी काम कर चुकी हैं।

आइसक्रीम का अधिक सेवन देता है डायबिटीज और हृदय रोग को न्योता

जब गर्मियों के दिन अपने ताप से बचने और आनंद लेने का एक लोकप्रिय तरीका होता है आइसक्रीम का सेवन करना। यह स्वादिष्ट और शीतलता प्रदान करने वाला विकल्प होता है। लेकिन, जबकि यह तुरंत राहत और आनंद प्रदान करता है, अधिक मात्रा में आइसक्रीम का सेवन करने से कई स्वास्थ्य संबंधी नुकसान हो सकते हैं। वजन बढ़ना, दांतों की समस्याएँ, डायबिटीज और हृदय रोग के खतरे में वृद्धि आदि उनमें शामिल हैं। इसलिए, इस प्रस्तुति में हम गर्मियों में अधिक आइसक्रीम खाने के नुकसानों पर ध्यान देंगे, जो शारीरिक स्वास्थ्य और कुल मनोरोग को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

गर्मियों में अधिक आइसक्रीम खाने के नुकसानरू

1. वजन वृद्धि

अधिक आइसक्रीम खाने से वजन बढ़ सकता है क्योंकि इसमें अधिक मात्रा में कैलोरी होती है।

2. डायबिटीज का खतरा

आइसक्रीम में ज्यादा शुगर होता है, जिससे डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है।

3. दांतों की समस्याएँ

अधिक आइसक्रीम खाने से दांतों की सड़ने और दर्द की समस्या हो सकती है।

4. पाचन समस्याएँ

अधिक आइसक्रीम का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जैसे कि अपच और गैस्ट्राइटिस।

5. हृदय स्वास्थ्य

ज्यादा आइसक्रीम में तेल और कोलेस्ट्रॉल हो सकता है, जो हृदय संबंधी समस्याओं के लिए अच्छा नहीं होता।

6. लाभकारी पोषक तत्वों की कमी

आइसक्रीम में अधिकतम मात्रा में विटामिन और अन्य पोषक तत्व नहीं होते हैं, जिससे आपके शरीर को उनकी कमी हो सकती है।

7. प्राकृतिक ऊर्जा की कमी

आइसक्रीम में ज्यादा तेल और शुगर होता है, जिससे आपको अधिक ऊर्जा मिलने में समस्या हो सकती है।

8. चिंता और मनोवैज्ञानिक प्रभाव

अधिक मिठाई का सेवन करने से चिंता, चिंताओं और मनोवैज्ञानिक समस्याएं बढ़ सकती हैं।

9. प्राकृतिक तत्वों की असमय मृत्यु

बाजार में उपलब्ध आइसक्रीम में प्राकृतिक तत्वों की अधिक मात्रा होने से आपके शरीर को हानि हो सकती है।

बढ़ते मॉनसून में मच्छरों से बचने के जबरदस्त तरीके

मॉनसून के मौसम में मच्छरों से बचाव एक महत्वपूर्ण विषय है, खासतौर पर वे लोग जो गर्मी के दिनों के बाद बारिशी मौसम का आनंद लेते हैं। बारिश के पानी के जमाव, गीली और स्थिर परिस्थितियाँ मच्छरों के विकास के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं, जिससे उनकी संख्या बढ़ जाती है। इसलिए, इस मौसम में मच्छरों से बचाव महत्वपूर्ण है ताकि स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से बचा जा सके। यहां हम इस विषय पर अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे और उपायों को समझेंगे जो इस मौसम में मच्छरों से बचने में सहायक हो सकते हैं। मॉनसून के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाने के कारण घरेलू और सार्वजनिक स्थानों में उनसे बचाव के लिए कुछ और उपाय शामिल हो सकते हैं

मच्छर रिपेलेंट का उपयोग

घर के आस–पास और कमरे में मच्छर रिपेलेंट का उपयोग करें, जैसे दीवारों पर स्प्रे या इलेक्ट्रिक मशीन। ये रिपेलेंट्स मच्छरों को दूर रखते हैं और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

स्क्रीन और मोशन नेटिंग

घर के खिड़कियों और दरवाजों पर मोशन नेटिंग या स्क्रीन लगाएं ताकि मच्छरों का प्रवेश रोका जा सके। यह उपाय रात्रि के समय में विशेष रूप से प्रभावी होता है।

घर के आस–पास की सफाई

बारिश के पानी जमने की स्थितियों को दूर करने के लिए घर के आस–पास की सफाई नियमित रूप से करें। जल जमाव के स्थानों को सुधारें ताकि मच्छरों को जन्मने का अवसर न मिले।

वातावरणिक सुधार

वनस्पति और नीले रंग के विशेष बल्बों का उपयोग करके आप अपने घर के आस–पास के इलाकों को मच्छरों से बचा सकते हैं। इससे घर के चारों ओर की सुरक्षा बढ़ती है।

नियमित जाँच और नियंत्रण

अपने आस–पास के क्षेत्रों को नियमित रूप से जाँचें और उन्हें मच्छरों से बचाने के उपायों से सुरक्षित रखें।

इन उपायों का पालन करके आप मॉनसून के मौसम में मच्छरों से बचाव कर सकते हैं और अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं।

बालों को नेचुरली काला करने के लिए घर पर बनाएं ये खास तेल, शाइनी होंगे बाल

हम सभी अपने बालों को हेल्दी और शाइनी बनाने के लिए अलग–अलग प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार यह भूल जाते हैं कि केमिकलयुक्त यह प्रोडक्ट हमारे बालों के नुकसान भी पहुंचाते हैं। कई बार गलत प्रोडक्ट के इस्तेमाल से बाल जल्दी सफेद होने लगते हैं। हालांकि आज कम समय में कम उम्र में भी बालों के सफेद होने की समस्या देखी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले जो लाइफस्टाइल होती थी, अब उसमें काफी बदलाव आया है। जिसके कारण हमारे बाल समय से पहले सफेद हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी सफेद बालों को नेचुरल तरीके से काला करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसको अपनाने से आपके बाल नेचुरल तरीके से काले और मजबूत होंगे।

सरसों के तेल और हल्दी

अगर कम उम्र में ही आपके बाल सफेद होने लगे हैं, तो आप सरसों के तेल में हल्दी मिलाकर बालों में अप्लाई कर सकती हैं। इससे आपके बाल नेचुरली काले होंगे और बालों को मजबूती भी मिलेगी। बता दें कि सरसों का तेल बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

सरसों और आंवला लगाएं

यदि आप बालों को नेचुरली काला करना चाहते हैं, तो आप सफेद बालों से छुटकारा पाने के लिए सरसों के तेल में आंवले को मिलाकर बालों पर अप्लाई करें। इससे आपको फायदा मिलेगा।

इस तरह करें इस्तेमाल

सबसे पहले लोहे का तवा लें और इसमें सरसों का तेल डालें।

फिर इसमें एक चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं।

अब इन दोनों चीजों को अच्छे से पका लें।

आप चाहें तो इसमें करी पत्ता भी डाल सकते हैं।

अब इसमें पीसा हुआ आंवला डालें।

अब इस मिश्रण को ठंडा कर इसे बालों में अप्लाई करें।

फिर अपने स्कैल्प पर मसाज करें।

इसको अपने बालों में लगा रहने दें।

फिर बालों को शैंपू से साफ कर लें।

सप्ताह में एक बार इस मिश्रण को बालों पर लगाने से आपके बाल नेचुरली काले होंगे।

टाइट ब्रा पहनने से हो सकती हैं कई समस्याएं, जानिए कैसे चुनें परफेक्ट फिटिंग ब्रा

हम अपने आउटफिट और कम्फर्ट के हिसाब से कई अलग तरह की ब्रा पहनते हैं। वहीं मार्केट में आपको अलग–अलग ब्रांड, डिजाइन, कलर और टाइप में ब्रा मिल जाएगी। वहीं ब्रा से जुड़े कुछ मिथ भी हमारे मन में आते हैं, जिनको अक्सर हम पूछने से कतराते हैं। ऐसा ही एक मिथ है कि क्या टाइट ब्रा पहनने से आपको सही बॉडी फिटिंग मिल सकती है। इस मिथ में कितनी सच्चाई है या फिर ये सिर्फ मिथ है, आज इस आर्टिकल के जरिए हम यही बताने जा रहे हैं। तो आइए जानते हैं ब्रा से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में...

टाइट ब्रा पहनने के नुकसान

टाइट ब्रा पहनना अवॉयड करना चाहिए, क्योंकि टाइट ब्रा पहनने से आप न कंफर्टेबल महसूस करेंगी और यह आपके शरीर को परफेक्ट फिटिंग भी नहीं देगी। बल्कि टाइट ब्रा पहनने से आपको स्किन संबंधी समस्या हो सकती है।

गर्मियों में त्वचा में अधिक देर तक ब्रा का फैब्रिक चिपके रहने से आपको स्किन इंफेक्शन हो सकता है।

अधिक टाइट ब्रा पहनने से ब्लड सर्कुलेशन में समस्या हो सकती है और खून का दौड़ान रुक सकता है।

टाइट ब्रा पहनने पर आपका शरीर कसता है, जिसके कारण आप ज्यादा देर तक कंफर्टेबल नहीं रह पाएंगी और इसको ज्यादा देर तक नहीं पहन पाएंगी।

टाइट ब्रा पहनने से साइड फैट भी बढ़ सकता है, जो आपके बॉडी शेप को बिगाड़ने का काम कर सकता है।

कैसी ब्रा पहनें

बता दें कि हर बॉडी टाइप, शेप और साइज एक–दूसरे से काफी अलग होता है। ऐसे में न आप टाइट ब्रा चुनें और न ही ढीली ब्रा चुनें। बल्कि आपको अपने शरीर को सही शेप देने के लिए और कंफर्टेबल महसूस करने के लिए सही फिटिंग वाली ब्रा चुननी चाहिए। ब्रा के फैब्रिक के लिए आपको खिंचाव वाले और सॉफ्ट फैब्रिक का चुनाव करना चाहिए। यह न सिर्फ आपके शरीर बल्कि त्वचा के लिए भी आरामदायक रहेगी।

किस तरह चुनें ब्रा

सही फिटिंग की ब्रा चुनने के लिए आपको ऑफलाइन स्टोर जाना चाहिए। इससे आप 2–4 बार ट्रायल कर परफेक्ट फिटिंग वाली ब्रा ले पाएंगी। वहीं ऑनलाइन में आपको ट्रायल का ऑप्शन नहीं मिलता है, इसलिए ऑनलाइन स्टोर से ब्रा खरीदना अवॉयड करना चाहिए।

टाइप 2 डायबिटीज वाले लोग भी कर सकते हैं आलू का सेवन, एक्सपर्ट से जानें कैसे?

प्लांट–बेस्ड न्यूट्रिशनिस्ट चार्मेन हा डोमिन्गुएज़ ने एक सोशल मीडिया में टाइप 2 डायबिटीज मरीजों को आलू का आनंद लेने के कुछ तरीके बताए हैं। उनके अनुसार, अगर आपको टाइप 2 डायबिटीज है तो आप तीन तरीकों से आलू का सेवन कर सकते हैं। इससे आपके ब्लड शुगर लेवल पर कम असर पड़ेगा और इसमें अचानक वृद्धि होने का खतरा कम हो जाएगा।

डायबिटीज से पीड़ित लोगों को अपने खानपान का बहुत ध्यान रखना पड़ता है। उन्हें अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट से भरपूर खाने की चीजों को अपनी डाइट से बाहर करना पड़ता है। इन चीजों में आलू भी शामिल है, जिसका सेवन करना डायबिटीज के मरीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। आलू में ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) अधिक होता है, इसलिए डायबिटीज रोग से पीड़ित लोगों को इसके सेवन से परहेज करने की सलाह दी जाती है, खासकर उन लोगों को, जिन्हें टाइप 2 डायबिटीज है, उन्हें आलू के सेवन से कोसो दूर रखने के लिए कहा जाता है। हालाँकि, आलू का सेवन करना डायबिटीज के मरीजों के लिए उतना भी खतरनाक नहीं है, जितना बताया जाता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर सीमित मात्रा में आलू का सेवन करने से कुछ नुकसान नहीं होता है। प्लांट–बेस्ड न्यूट्रिशनिस्ट चार्मेन हा डोमिन्गुएज़ ने एक सोशल मीडिया में टाइप 2 डायबिटीज मरीजों को आलू का आनंद लेने के कुछ तरीके बताए हैं। उनके अनुसार, अगर आपको टाइप 2 डायबिटीज है तो आप तीन तरीकों से आलू का सेवन कर सकते हैं। इससे आपके ब्लड शुगर लेवल पर कम असर पड़ेगा और इसमें अचानक वृद्धि होने का खतरा कम हो जाएगा। न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया कि पके हुए आलू को कुछ देर के लिए रेफ्रिजरेटर में रखें। इसके पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा करना ग्लाइसेमिक इंडेक्स को कम करने के लिए प्रतिरोधी स्टार्च को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा उन्होंने आलू में सिरका मिलाने की सलाह दी। डोमिनगेज़ के अनुसार, अध्ययनों से पता चला है कि आलू में सिरका (विशेष रूप से माल्ट सिरका) मिलाने से ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम हो सकता है। सबसे पहले सब्जियों और प्रोटीन का सेवन करें। डोमिनगेज़ के अनुसार, इससे भोजन के बाद रक्त शर्करा को कम करने में मदद मिल सकती है।

आशा निलय के निधन से शहर समता परिवार शोकाकुल

प्रयागराज । शहर समता महिला काव्यगोष्ठी के कानपुर इकाई की वरिष्ठ कवयित्री आशा निलय का बीते दिनों आकस्मिक निधन हो गया जिससे शहर समता परिवार शोकाकुल है। मंच की ओर से एक शोक सभा उमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई जिसमें शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना, राष्ट्रीय महासचिव सुमन दुग्गल, राष्ट्रीय संयोजक डॉ स्नेह सुधा, शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका एवं कानपुर इकाई की अनेक महिला रचनाकारों ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस दुखद समय में यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

एमपी डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के इंस्टीट्यूट इनोवेशन सेल द्वारा वनस्पति विज्ञान विभाग में ' तरल जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक का दायरा और विपणन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ डॉ कीर्ति राजे सिंह को–इन्वेंट कन्वेनर के द्वारा कार्यक्रम संचालन से किया गया

। अतिथि वक्ता एवं प्रतिभागियों का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव ने किया ।डॉ. अमिता पांडे ने बुके देकर अतिथि का स्वागत किया। डॉक्टर दीपक कुमार गोंड ने अतिथि का विस्तृत परिचय कराया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व प्रवक्ता ,भूतपूर्व मैनेजर डी. फ.फ.को. डॉ एच. एम. शुक्ला ने लिक्विड बायोफर्टिलाइजर पर विस्तृत चर्चा की और बताया कि हम कैसे आसानी से लिक्विड बायोफर्टिलाइजर सायनोबैक्टीरिया या बैक्टीरिया से बना सकते हैं । इसकी कई विधियां बताएं और अपना अनुभव साझा किया जो कि किसान व छात्रों के लिए बड़ा ही उपयोगी रहा। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर एच. के. केहरी ,डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉक्टर मीना , डॉक्टर संजय सिंह, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह , डॉक्टर नेहा पांडे , डॉक्टर अनीता सिंह , डॉक्टर यशवंत कुमार , डॉक्टर पल्लवी राय , डॉ अविनाश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

गिरिजा शंकर अध्यक्ष एवं धनंजय शाश्वत महामंत्री मनोनीत'

संस्कार भारती के जिला इकाई का हुआ गठन'

झूंसी (प्रयागराज)। संस्कार भारती के जिला ईकाई की बैठक बुधवार को झूंसी स्थित गोधाम विहिप कार्यालय में संपन्न हुई। कार्यक्रम में पुरानी इकाई भंग करके नई ईकाई का गठन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित प्रांत अध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद अवस्थी ने नव मनोनीत पदाधिकारियों की घोषणा की। संगठन ने गिरिजा शंकर राजन को अध्यक्ष व धनंजय शाश्वत को महामंत्री मनोनीत किया। उपाध्यक्ष पद के लिए विकास इलाहाबादी, संतोष समर्थ एवं अमित यादव मनोनीत हुए।मंत्री पद के लिए जितेंद्र जलज, मुक्ति नारायण तिवारी, मोहिनी श्रीवास्तव व मनोनीत किया गया। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कमलेश पांडेय कमल कोषाध्यक्ष पद के लिए एवं साहित्य कला प्रमुख के रूप में राधा शुक्ला मनोनीत हुई। प्रशांत भरुहिया प्रयागी को सोराव तहसील के संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में विभाग संयोजक सुशील राय महानगर अध्यक्ष योगेंद्र मिश्रा विश्वविद्यालय अध्यक्ष इंदु शर्मा महानगर महामंत्री विभव शंकर मिश्र रामानंद शुक्ला संदीप दुबे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गैंगस्टर, डकैती व लूट के मामलों में संलिप्त आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। महेशगंज पुलिस ने गैंगस्टर, डकैती व लूट समेत कई मामलों में शामिल आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बृजेन्द्र कुमार यादव पुत्र दानपाल निवासी मदामई लालगंज पर जिले के विभिन्न थानों में एक दर्जन संगीन अपराधों में मामले दर्ज है। अपराधी बृजेन्द्र ने एक सप्ताह पूर्व थाना क्षेत्र के गोपाल पाण्डे का पुरवा में गैस डिलीवरी वैन चालक से दो साथियों संग तमंचे के बल पर 27 हजार की लूट की थी। थाने के दारोगा देव नारायण की टीम ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र के मंझेहा रोड पर बाइक समेत तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी

लूट में शामिल आरोपी महिला गिरफ्तार

प्रतापगढ़। कुण्डा थाना क्षेत्र के गयासपुर गॉव निवासी छेदेलाल गौतम पुत्र शिव बालक के घर घुसकर 06 जुलाई की रात चोरों चोरी की थी। विरोध करने पर छेदेलाल की बेटी के पैर में लुटेरों ने गोली मार दी थी। लुटेरों ने घर में रखे नकदी, खाद्यान्न व कपड़े आदि चुरा ले गये थे। इस संबंध में पुलिस ने पहले ही दो लुटेरे शुभम दूबे व चण्डिका प्रसाद को जेल भेज चुकी है। आरोपी चण्डिका प्रसाद पर आधा दर्जन से अधिक संगीन मामले जिले के थानों में दर्ज है। लुटेरों के साथ शामिल आरोपी महिला नीलम पाण्डे पुत्र अम्बिका प्रसाद पांडे निवासी जमलामऊ बाघराय को शुक्रवार को एसपी आफिस गेट से गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने परेड की ली सलामी, कराया गया टोलीवार ड्रिल

प्रतापगढ़। एसपी डा0 अनिल कुमार ने शुक्रवार को पुलिस लाइन मैदान में परेड की सलामी ली। परेड का निरीक्षण कर अनुशासन व एकरूपता के लिए टोलीवार ड्रिल गराया गया। एसपी ने एम टी शाखा व यूपी 112 की पीआरवी गाड़ियों का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को आपराधिक घटनाओं में साक्ष्य संकलन क्राइम सीन को सुरक्षित करने का प्रशिक्षण दिया गया। शस्त्र ड्रिल का अभ्यास कराते हुए जरूरी जानकारी दी गई। एसपी ने निर्माणाधीन बिल्डिंगों का भी निरीक्षण किया। मेस में भोजन की गुणवत्ता को देखा। इसके अलावा उन्होंने शस्त्रागार, कैंटीन, बैरिकों स्टोर क्वार्टर गार्ड व विभिन्न शाखाओं का भी निरीक्षण कर जरूरी सुझाव दिए।

डा.संजीव कुमार को गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान

कानपुर।साहित्य अर्पण साहित्यिक मंच दुबई, द्वारा पूरे विश्व में हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं के संवर्धन हेतु निरंतर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।इसी क्रम में षाहित्य अर्पण पूर्वी उत्तर प्रदेश, कानपुर इकाईष्द्वारा एक साहित्यिक अनुष्ठान का आयोजन बुधवार 17जुलाई 2024 को रतनकृति अपार्टमेंट काकादेव में संपन्न किया।शिवकुमार कुंवर की अध्यक्षता तथा अरुण तिवारी गोपाल के संचालन में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोयडा से पधारे साहित्यकार डॉ .संजीव कुमार रहे।ष्मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटीष् से डी.लिट्.की उपाधि से अलंकृत डॉ. संजीव कुमार को उनके साहित्यिक सेवाओं हेतु साहित्य अर्पण पूर्वी उत्तर प्रदेश कानपुर इकाई की अध्यक्ष शिप्रा ज्ञानेन्द्र सिंह ने ष्गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मानष् प्रदान किया।डॉ. संजीव कुमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर जयराम सिंह जय ने विस्तार से प्रकाश डाला।

अतिथि साहित्यकार के सम्मान में हुई ष्वर्षा मंगल कवि गोष्ठीष् का प्रारंभ डॉ. राधा शाक्य की शारदे वंदना से हुआ जिसमें श्री शिवकुमार सिंह कुंवर,डॉ. संजीव कुमार,डॉ. राधा शाक्य,राघवेन्द्र भदौरिया,डॉ अरुण तिवारी गोपाल,नीरू निराली, मुरली कबीर, शिप्रा ज्ञानेन्द्र व जयराम जय ने गीत,गजल व छंदो की रस वर्षा करके कार्यक्रम को सरस बना दिया।

इस अवसर पर डॉ. मनोरमा, सतीश चन्द्र शुक्ला,ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान,एम. के.दीक्षत,आलोक शुक्ला आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे ।अंत में संयोजक शिप्रा सिंह चौहान ने आगतों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद प्रमोद व विधायक मोना ने सई नदी के बीच स्थापित शिव के प्रतिमा का किया अनावरण

प्रतापगढ़, लालगंज। बाबा घुइसरनाथ धाम में शुक्रवार को राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा रामपुरखास की कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने सई नदी के बीच भगवान शिव की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। संगमरमर की खूबसूरती में तराशे गये महादेव की यह प्रतिमा पन्द्रह टन के वजन के साथ पन्द्रह फिट ऊँची बनाई गई है। अनावरण के दौरान मंत्रमुग्ध श्रद्धालु पुष्पवर्षा के बीच शिव आराधना में लीन थे। हर हर महादेव तथा बोल बम के जयघोष से इलाका गूंज रहा था। अनावरण कार्यक्रम पर जनसभा को संबोधित करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि पवित्र सई की जल धारा में भगवान शिव के विराजमान होने से बाबा धाम में आज सभी देवी–देवताओं का भी रामपुर खास के विकास को लेकर आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक आराधना मिश्रा मोना की सोच से बाबा धाम में सई के मध्य भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित हुई है। विधयक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि सई के मध्य भगवान शिव की स्थापना ईश्वर की प्रेरणा से हुई है। उन्होंने कहा कि बाबा धाम में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण सदैव रामपुर खास के चतुर्दिक विकास को ऊर्जा प्रदान करेगा।कार्यक्रम का संयोजन ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बबलू व प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी ने किया। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल द्वारा हुआ। इस मौके पर मंदिर के महन्त मयंक भाल गिरि, लालगंज प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, आशीष उपाध्याय, दृगपाल यादव, केडी मिश्र, डॉ. अमिताभ शुक्ल, लल्लन सिंह, रिंकू सिंह परिहार, अरविंद सिंह, अशोकधर द्विवेदी, रामकृपाल पासी, अखिलेश मिश्र, उदयशंकर दुबे, संतोष पाण्डेय, इरफान, आदि उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के लोगों ने डीआईओएस कार्यालय पर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार व अनियमितता का आरोप लगाते हुए जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में कांग्रेस के लोगों ने प्रदर्शन किया। अधिकारियों की गैर मौजूदगी में राजकीय इण्टर कॉलेज के प्राचार्य कुलश्रेष्ठ तिवारी को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। डॉ0 नीरज ने कहा कि पूर्व सूचना के बावजूद भी जब कांग्रेसजन नारेबाजी करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहुंचे तो कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं था। घंटों इंतजार के बाद राजकीय इण्टर कालेज के प्राचार्य को बुलाकर ज्ञापन दिया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी ने ज्ञापन के जरिये मांग किया कि सरकारी एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों के अध्यापकों द्वारा कोचिंग पढ़ाने पर रोक लगाए जाय, गैर मान्यता के चल रहे कालेजों की जांच कर उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाय। शिक्षा विभाग एवं सरकारी एडेड कॉलेजों के अध्यापकों, कर्मचारियों के बच्चों का प्रवेश सरकारी कॉलेजों में ही कराने हेतु प्रेरित किया जाय। जिले में संचालित बिना पंजीकरण के चल रहे कोचिंग संस्थानों की जांच कर उन पर कार्यवाही की जाय।

चेतावनी दी गयी है कि यदि तीन दिन के भीतर कार्यवाही नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस नेता वेदांत तिवारी ने कहा की डीआईओएस कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम पर है। इससे निजात दिलाने की आवश्यकता है। इस दौरान डा0 वी0 के0 सिंह, प्रेम शंकर द्विवेदी, राम रतन तिवारी, मो0 जावेद, इश्तियाक अहमद, सरोज कश्यप, विजय प्रताप त्रिपाठी, सुरेश मिश्रा, उमेश तिवारी, सुभाष तिवारी, अभय किशोर तिवारी, सोनी तिवारी, सुरेश नारायण दूबे, रवि प्रताप सिंह, शुभम शुक्ला, सद्दाम अहमद, शेर खान, नूर आलम, धनगू यादव, श्याम शंकर तिवारी सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

डीएम ने समीक्षा बैठक में कार्यदायी संस्थाओं को दी चेतावनी, निर्धारित समय में पूरा करें निर्माण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने विकास भवन सभागार में 50 लाख रु0 से अधिक लागत के परियोजनाओं की समीक्षा की। उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद के द्वारा कराये जा रहे आईटीआई जरियारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छितपालगढ़, 50 बेडेड संयुक्त चिकित्सालय बैरमपुर सुवंशा, 100 बेडेड संयुक्त चिकित्सालय शिवसत के निर्माण के बारे में जानकारी ली। निर्देश दिया कि परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा कर हस्तगत किया जाये। इसी प्रकार थानो के आवासीय एवं अनावसीय भवन, पुलिस चौकी, आईटीआई पट्टी, थानों में बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण की भी समीक्षा कर निर्देश दिये गये। यूपी स्टेट कांस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कारपोरेशन लि0 (उ0प्र0 समाज कल्याण निर्माण निगम लि0) द्वारा कराये गये आटोमैटिक ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक धंसने से कार्यदायी संस्था को कड़ी फटकार लगाये। एक सप्ताह के भीतर ठीक करने को कहा। सी0 एण्ड डी0एस0 यूनिट–10 प्रयागराज द्वारा ड्रग वेयर हाउस के निर्माण में देरी पर नाराजगी जताई। डीएम ने सीडीओ से कहा कि जांच कराकर घटिया निर्माण मिले तो कार्यवाही करें। इसी तरह पचास लाख के ऊपर के निर्माण कार्यों की डीएम ने बारी–बारी से समीक्षा कर जिम्मेदारों की नकेल कसी। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं से कहा कि निर्माण कार्यो में देरी व गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाये। यदि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पायी जाती है तो सम्बन्धत अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा, जिला विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी सहित सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर, प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कृत्रिम अंग लेने के लिए ब्लाक शिविर में करायें पंजीकरण-डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण दिया जा रहा हैं। ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें विगत 03 वर्षो से सहायक उपकरण नही मिले हैं, दिया जाना है। डीएम ने दिव्यांगों से कहा है कि लाभ लेने के लिए विकास खण्डवार लगाये जा रहे शिविर में अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। उन्होंने बताया है यह शिविर आसपुर देवसरा ब्लाक में 22 जुलाई, पट्टी में 23 जुलाई, बाबा बेलखरनाथधाम में 24 जुलाई, मंगरौरा में 25 जुलाई, गौरा में 26 जुलाई, शिवगढ़ में 27 जुलाई, सदर में 29 जुलाई, मानधाता में 30 जुलाई, सण्डवा चन्द्रिका में 31 जुलाई, लक्ष्मणपुर में 01 अगस्त, लालगंज में 02 अगस्त, सांगीपुर में 03 अगस्त, रामपुर संग्रामगढ़ में 05 अगस्त, कालाकांकर में 06 अगस्त, बाबागंज में 07 अगस्त, कुण्डा में 08 अगस्त एवं बिहार ब्लाक परिसर में 09 अगस्त को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जायेगा। पात्र दिव्यांग विभाग की वेबसाइट पर अपना आनलाइन आवेदन करते हुये वांछित प्रपत्र डाउनलोड कर आवेदन शिविर में जमा कर दें। डीएम ने बताया कि दिव्यांग पेंशन, शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु आनलाइन आवेदन, यूडीआईडी कार्ड सम्बन्धित जानकारी का भी प्रचार प्रसार किया जाना है। शिविर में दिव्यांगजन दिव्यांग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रति, दो फोटो एवं मोबाइल नम्बर आदि के साथ शिविर में उपस्थित होना है। अपना पंजीकरण सम्बन्धित विकास खण्डों, तहसील परिसर, नगर पालिका परिसर में निर्धारित तिथियों में सुबह 11 बजे से दोपहर बाद 4 बजे तक करा सकते है। शिविर में सहायता के लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहेगे।

लखनऊ में केन्या का नागरिक गिरफ्तार, 19 साल से बिना वीजा के रह रहा था

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ पुलिस ने केन्या के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। वह शहर के इंदिरा नगर सेक्टर–9 में रहता था। गिरफ्तार किया गया केन्याई नागरिक मॉरिस ओकीय (54) का वीजा 19 साल पहले 2005 में एक्सपायर हो चुका है। पुलिस ने उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर विदेश मंत्रालय को जानकारी दी है। मॉरिस ओकीय 1995 में पढ़ाई के लिए भारत आया। फैजाबाद से बीकॉम किया। 1997 में रुहेलखंड विश्वविद्यालय से एमकॉम के बाद आईटीआई से डिप्लोमा भी लिया। हिंदी पर अच्छी कमांड है। उसके पास से कोई संदिग्ध वस्तु और कागजात नहीं मिले हैं। वह यहां इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। मॉरिस धोखाधड़ी मामले में जेल भी जा चुका है। मुकदमा वाराणसी के लक्सा थाने में साल 2002 में दर्ज हुआ था। इसके बाद भी उसको डिपोर्ट नहीं किया गया। एसीपी गाजीपुर विकास जायसवाल का कहना है कि जांच में पता चला कि वह किराए के मकान रहता है। पूछताछ में सामने आया कि वह पढ़ाई के लिए ही उत्तर प्रदेश आया था फिर वापस नहीं गया। मॉरिस की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पुराने केस भी खंगालना शुरू की। जांच में पता चला कि नवंबर 2002 में मॉरिस के खिलाफ एक केस दर्ज हुआ था। इसमें वह अपने दो साथियों के साथ वाराणसी धोखाधड़ी किया था।

संक्षिप्त

शिक्षकों ने पेंशन का विकल्प पत्र भराने की मांग को लेकर प्रभारी बीएसए को सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। विशिष्ट बीटीसी शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल ने शुक्रवार को बीएसए कार्यालय पर प्रभारी बीएसए शिव बहादुर मौर्य को ओल्ड पेंशन देने का विकल्प मांग पत्र सौंपा। जिसमें कहा गया है कि केन्द्र सरकार की तरह ओपीएस मेमोरेण्डम के विज्ञापन के आधार पर एक अप्रैल 2005 के पहले शिक्षकों व कर्मचारियों को ओपीएस पेंशन का विकल्प भराया जाएगा। प्रदेश के कुछ जिलों में इस आशय का पत्र बीएसए द्वारा जारी किया गया है। शिक्षकों ने मांग किया कि जिले में भी इस तरह का आदेश निर्गत किया जाना चाहिए। इस मौके डा0 विनोद त्रिपाठी, राजीव सिंह, आदित्य सोमवंशी, राजेश पांडे, रवीन्द्र सोनी, हीरालाल मौर्य, सीपी राव, मंजीत सरोज, ओम प्रकाश समेत दर्जनों शिक्षक मौजूद रहे।

जय हिंद अभियान में लोगो से किया संपर्क

प्रतापगढ़। हरे राम सेवा संस्थान और संग्राम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान पमें जय हिंद जागरूकता अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के माध्यम से जनसंपर्क स्थापित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य आजादी के सभी स्वतंत्रता सेनानियों को याद करना था इस संपर्क अभियान के माध्यम से आजादी के उन गुमनाम नायकों को भी याद किया गया। जिनका नाम इतिहास के पन्नों में कहीं छिप सा गया है। यह मुहीम हरे राम सेवा संस्थान के संस्थापक डॉ. अनिल पांडेय ,असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएमपी डिग्री कॉलेज और संग्राम फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सिंह ,राष्ट्रीय सचिव दीपक के द्वारा शुरू की गई।अभियान के दौरान डॉ. शिखा दरबारी ,मुख्य आयकर आयुक्त, प्रयागराज ,श्री प्रताप गोमेंद्र आईपीएस,प्रयागराज डॉ. अनिल पांडेय ,असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएमपी डिग्री कॉलेज,अधिवक्ता ओ.पी सिंह, शिव नंदन गुप्ता ,संरक्षक, भारत विकास परिषद ,मंगलम शाखा ,डॉ संजीत सिंह चौहान ,असिस्टेंट प्रोफेसर ,बैसवाड़ा डिग्री कॉलेज ,जितेंद्र शर्मा डायरेक्टर,सीडीपीए,डॉ. सुशील कुमार सिंह ,पृथ्वी राज चौहान मौजूद रहे।

सेमिनार व सम्मान समारोह में अभिकर्ताओं को किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़। भारतीय जीवन बीमा निगम के विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य के नेतृत्व में शुक्रवार को शहर के एक होटल में शैक्षिक सेमिनार एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। अभिकर्ताओं को एलआईसी के नियमों की विधिवत जानकारी रखने की सलाह दी गयी। नई पॉलिसी और योजनाओं की जानकारी के लिए प्रेरित किया गया। बीमा के क्षेत्र में कीर्तिमान बनाने वाले अभिकर्ताओं मीला शुक्ला, विनय कुमार सिंह, राम सजीवन वर्मा, राघव सिंह, राकेश कुमार को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता करते हुए डॉ0 दयाराम मौर्य श्रलश्र ने कहा कि योग्य अभिकर्ता बनने के लिए निष्ठावान व सत्यवादी होना जरूरी है। निगम के मुख्य प्रबंधक दीपक चावला ने कहा कि एलआईसी का आधार बहुत मजबूत है। उद्देश्य पूर्ण और समयबद्ध बने तथा आत्मविश्वास से लवरेज रहे। सहायक शाखा प्रबंधक आशीष कुमार मौर्य ने कहा कि संघर्ष ही जीवन है। बोलने की कला का बहुत महत्व है जो अपनी बात समझाने में समर्थ होते हैं वही अधिक से अधिक सफल होते हैं। इस अवसर पर रोशन लाल उमरवैश्य, आनंद मोहन ओझा, सुनील कुमार सिंह, दिनेश कुमार, संतोष तिवारी, राजेश गुप्ता, रवि सरोज, मुस्कान विश्वकर्मा, विनय सिंह, राघव सिंह, मनीराम यादव, शालिकराम मौर्य, आर के आर्य आदि उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को सुरक्षा के बताए तौर तरीके

प्रतापगढ़। देहात कोतवाली के एमएसडी कांवेंट स्कूल धनीपुर मोहनगंज में छात्राओं को शुक्रवार को आत्मरक्षा के तरीके सुझाये गए। मोहनगंज पुलिस चौकी की दरोगा रिचा हमराहियों के साथ स्कूल पहुंचकर छात्राओं को आत्म रक्षा एवं सुरक्षा हेतु जरूरी टिप्स देते हुए मोबाइल नंबरों को नोट कराया। उन्होंने बच्चो से कहा कि डरने की कोई जरुरत नहीं है। कोई भी समस्या हो तो दिए गए नंबरों की मदद से सुरक्षा पा सकते है। विद्यालय के अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ल ने सभी पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक आरती शुक्ला प्रधानाध्यापक अमित पाल, शिक्षक उमेश कुमार, हर्षवर्धन शुक्ल, सूरज कुमार, प्रवीण प्रजापति, आकांक्षा तिवारी, सपना सिंह, शायका बानो, प्रतिभा, शीनू दिव्या शुक्ला सहित सभी शिक्षक एवम कर्मचारी मौजूद रहे।

सहायक आयुक्त बनने पर उमरवैश्य महासभा ने किया सम्मानित

प्रतापगढ़। अंतू थाना क्षेत्र के बाबूगंज निवासी शुभम उमरवैश्य पुत्र राजेश का चयन संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सहायक आयुक्त भविष्य निधि के पद पर हुआ है। शुभम के चयनित होने पर उमरवैश्य समाज ने खुशी जाहिर की है। उमरवैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी उमरवैश्य की अगुवाई में रोशनलाल उमरवैश्य, गुलाबचंद, शोभनाथ, मदनलाल, महादेव, कैलाश आदि पदाधिकारियों ने शुक्रवार को शुभम के घर पहुंच कर अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह आदि देकर उन्हें सम्मानित किया। रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि शुभम के सहायक आयुक्त भविष्य निधि के पोस्ट पर चयन होने से पूरे समाज का गौरव बढ़ा है। इस मौके पर शुभम को बधाई देने के लिए समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्राचार्य ने प्रवेश कार्य का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। शहर स्थित एमडीपीजी कॉलेज में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश– कार्य चल रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अरविंद मिश्र ने प्रवेश समितियों द्वारा विभिन्न कक्षाओं एवं विषयों में किए जा रहे प्रवेश–कार्य का निरीक्षण किया। महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि बीए, बीएससी गणित एवं जीव विज्ञान तथा बीकॉम में प्रवेश कार्य चल रहा है। परास्नातक स्तर पर भूगोल, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, हिंदी, अंग्रेजी,एम काम, एमएससी गणित एवं एमएससी रसायन विज्ञान में भी प्रवेश कार्य शुरू हो गया है। डॉ पांडे ने बताया कि महाविद्यालय के एमएससी रसायन विज्ञान की मान्यता इस वर्ष से विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान कर दी गई है जिसमें प्रवेश कार्य शुरू हो गया है। प्रवेश कार्य के निरीक्षण के दौरान प्रो प्रदीप कुमार सिंह, डॉ सी एन पांडे, डॉ देवेंद्र कुमार पांडे, डॉ राजेंद्र प्रसाद मिश्र आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में आरएसएस और भाजपा की बड़ी बैठक आज, कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर की जाएगी चर्चा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक 20 और 21 जुलाई को होने जा रही है। इस बैठक में आरएसएस और भाजपा के शीर्ष पदाधिकारी शामिल होंगे और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

संक्षिप्त

पेरिस में संदिग्ध व्यक्तति के हमले में पुलिस अधिकारी घायल, हमलावर की मौत

ओपलिंक खेलों के आगाज से कुछ दिन पहले बृहस्पतिवार को पेरिस के एक प्रमुख इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति ने चाकू से वार कर एक पुलिस अधिकारी को घायल कर दिया जिसके बाद पुलिस की कार्रवाई में हमलावर की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पेरिस पुलिस प्रमुख लॉरेंट नुनेज ने कहा कि इस हमले का ओलंपिक से कोई संबंध प्रतीत नहीं होता और इसके पीछे आतंकवादियों का हाथ होने का भी संदेह नहीं है। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए कहा कि यह हमला पेरिस के एक प्रमुख इलाके में उस समय हुआ जब पुलिस एक दुकान के सुरक्षा गार्ड द्वारा दी गई एक सूचना पर कार्रवाई कर रही थी।'' पुलिस अधिकारी के अनुसार, 'चौंप्स–एलिसीज' में स्थित 'लुई वीतोन' स्टोर के सुरक्षा गार्ड ने दुकान के बाहर एक व्यक्ति की ''संदिग्ध हरकत'' के बारे में पुलिस को सूचना दी थी। नुनेज ने बताया कि हमलावर ने ''चाकू निकाल कर उन्हें (अधिकारियों को) डराने की कोशिश की और वार करने का भी प्रयास किया। इस दौरान चाकू के वार से एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया।''

1 फोन से रोक दूंगा युद्ध, बुश से लेकर बाइडन तक का नाम लेकर ट्रंप ने किए बड़े-बड़े दावे

ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति बुश के नेतृत्व में रूस ने जॉर्जिया पर आक्रमण किया। राष्ट्रपति ओबामा के तहत रूस ने क्रीमिया पर कब्ज़ा कर लिया। वर्तमान प्रशासन के तहत, रूस आख़िरकार यूक्रेन को कब्जाने की फिरा में है। लेकिन मेरे कार्यकाल के दौरान रूस ऐसा कुछ नहीं कर पाया।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस और यूक्रेन के बीच की जंग को समाप्त करने का वादा दोहराया। उन्होंने पहले कहा था कि वह 24 घंटों में युद्ध का समाधान ढूंढ लेंगे, लेकिन उन्होंने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया कि वह ऐसा कैसे करेंगे। ट्रम्प ने रूस के प्रति अलग ही रुख अपनाया है। एक तरफ यूक्रेन को घातक सहायता प्रदान की है और दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रशंसा करते हुए अमेरिका को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन से बाहर निकालने की धमकी तक दे दी। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति बुश के नेतृत्व में रूस ने जॉर्जिया पर आक्रमण किया। राष्ट्रपति ओबामा के तहत रूस ने क्रीमिया पर कब्ज़ा कर लिया। वर्तमान प्रशासन के तहत, रूस आख़िरकार यूक्रेन को कब्जाने की फिरा में है। लेकिन मेरे कार्यकाल के दौरान रूस ऐसा कुछ नहीं कर पाया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका एक नए स्वर्णिम युग की दहलीज पर है, लेकिन हमें इस युग को लाने के लिए साहसिक कार्य करने होंगे। हम हारेंगे नहीं। राष्ट्रपति पद के लिए

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए ट्रंप ने अपने भाषण में अमेरिकियों से अपील की कि वे पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में उन्हें जीत दिलाने में मदद करें। ट्रंप ने अपने ऊपर हुए हमले के करीब एक सप्ताह के बाद कहा कि आज, मैं आपसे आपका सहयोग, आपका समर्थन और आपका वोट विनम्रतापूर्वक मांगता हूं। मैं आपके भरोसे का सम्मान करने का हर दिन प्रयास करूंगा और मैं आपको कभी निराश नहीं करूंगा। मैंने उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण रोके। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ने कहा कि ईरान कमजोर हो चुका था, टूट चुका था और समझौता करना चाहता था। उसके पास हमास, हिजबुल्ला पर खर्च करने के लिए धन ही नहीं था और वह ऐसी स्थिति में नहीं था कि परमाणु हथियार हासिल कर सके लेकिन अब वह 90 दिन में परमाणु हथियार हासिल कर सकता है और उसके पास पूर क्षेत्र में आंतक को बढ़ावा देने के लिए 300 अरब अमरीकी डॉलर हैं।

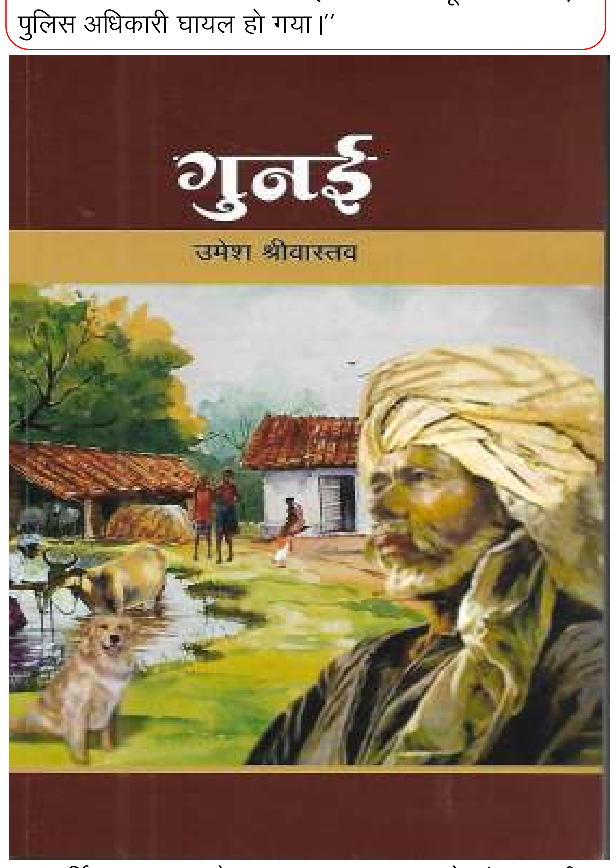

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

बांग्लादेश में थम नहीं रहा आरक्षण पर हिंसा, 39 की मौत, शेख हसीना ने तैनात की सेना

सरकारी नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली को लेकर छात्र प्रदर्शनकारियों, सुरक्षा अधिकारियों और सरकार समर्थक छात्र कार्यकर्ताओं के बीच लगातार झड़पों के बाद बांग्लादेश में व्यापक हिंसा फैल गई। हिंसा में कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई। छात्रों ने पूरे बांग्लादेश में परिवहन बंद करने की कोशिश की तो राजधानी ढाका सहित देश भर में लाठियों और पत्थरों से लैस पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। सैकड़ों लोग घायल हो गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के समूहों को तोड़ने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियां चलाईं, जिन्होंने वाहनों, पुलिस चौकियों और अन्य प्रतिष्ठानों को आग लगा दी। बांग्लादेश के ढाका में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शुक्रवार को सड़कें सुनसान दिखीं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि बांग्लादेश के टीवी समाचार चौनल शुक्रवार को प्रसारण नहीं कर रहे हैं। बांग्लादेश सरकार ने देश भर में फिर से हिंसा भड़कने के बाद नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की। प्रदर्शनकारियों द्वारा इस मुद्दे पर देशव्यापी बंद लागू करने का प्रयास किए जाने के दौरान झड़पें हुईं। आधिकारिक समाचार एजेंसी बीएसएस ने बताया कि अधिकारियों ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजधानी सहित देश भर में 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' के जवानों को तैनात किया है। कानून मंत्री अनीसुल हक ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत के लिए बैठक करने का फैसला किया और यह जिम्मेदारी उन्हें तथा शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी को सौंपी गई है। प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पार्टी की छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग पर आरोप लगाया कि वह पुलिस के समर्थन से उनके शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर हमला कर रही है।

उषा चिलुकुरी ने दिया ऐसा भाषण, ट्रंप तो छोड़िए खड़े हो गए स्टेडियम के लाखों लोग

रिपब्लिकन की तरफ से उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस की पत्नी भारतीय मूल की उषा चिलुकुरी ने ऐसा जबरदस्त भाषण दिया जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए। रिपब्लिकन के मेंबर्स ने आकर दुनिया को बताया कि वो किस लिए समर्थन मांग रहे हैं। इसी दौरान वहां उषा पहुंची तो उन्होंने अपने एक्सपीरियंस को साझा किया। कहा कि ये इसी देश की नियती थी कि जेडी वेंस से उनकी मुलाकात होती है। उन्होंने कहा कि मेरी जेडी से मुलाकात लॉ स्कूल में हुई। जब वो ओहियो से निकलकर येल आए। हम पहले दोस्त थे। मेरा मतलब है कि कौन नहीं जेडी को दोस्त बनाना चाहेगा। वो तब और अब भी मेरे लिए दिलचस्प इंसान हैं। एक वर्किंग क्लास आदमी जिसने अपने बचपन के ट्रामा को झेला हो। एक टफ मरीन जिसने इराक में लड़ाई लड़ी

हो। पर किसी को पता नहीं जब वो घर पर होते हैं डॉग के साथ खेलते हैं। बेब फिल्म देखते हैं। मैं सबसे दृश्ढ़ निश्चयी व्यक्ति को जानती हूं उसकी सबसे बड़ी महत्वकांक्षा थी। कि वो एक पति और पिता बने। और एक ऐसा परिवार बनाए जिसका सपना उसने बचपन से देखा है। मेरा बैकग्राउंड जेडी से काफी अलग था। मैं सैनडियागो में एक मीडिल क्लास फैलमिली से आती थी। मुझसे प्यार करने वाले मेरे माता–पिता थे, भाई बहन थे। जो भारत से बतौर प्रवासी यहां आए थे। जेडी और मेरा मिलना और हम दोनों का प्यार में पड़ जाना और फिर शादी कर लेना। ये इस महान देश की टेस्टमनी है। बता दें कि जेडी वेंस ने भारतीय मूल की वकील ऊषा चिलुकुरी वेंस से शादी की है। पत्नी ऊषा चिलुकुरी वेंस का उन्हें पूरा समर्थन है। येल में सहपाठी उषा ने वेंस को यूएस ग्रुप डिस्कशन आयोजित करने में मदद की। इस दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ी और एक दूसरे को डेट करने लग गए। कई सालों तक डेट करने के बाद इस कपल ने साल 2014 में शादी करने का फैसला कर लिया। बताया जाता है कि एक हिंदू पंडित ने शादी को संपन्न कराया था।

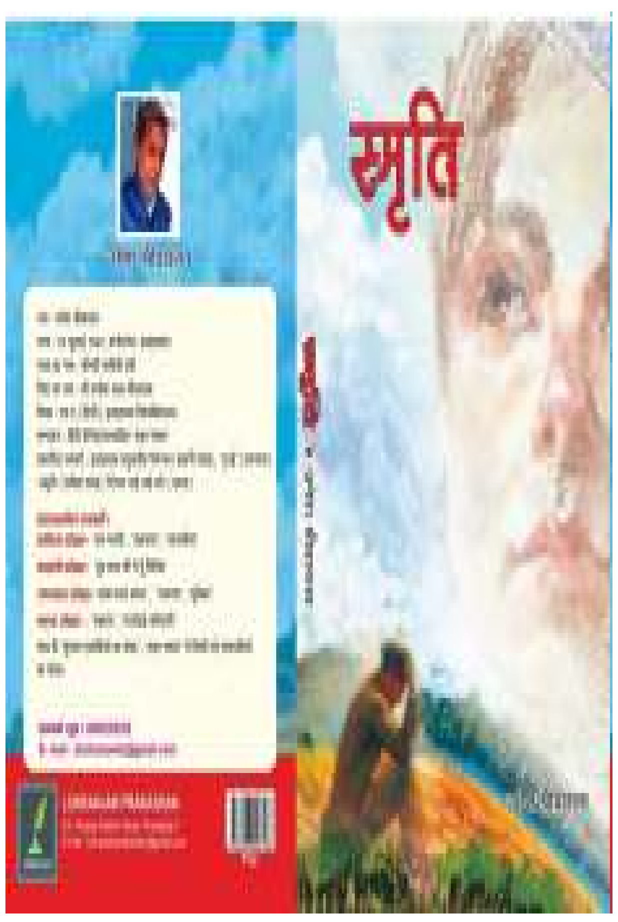

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

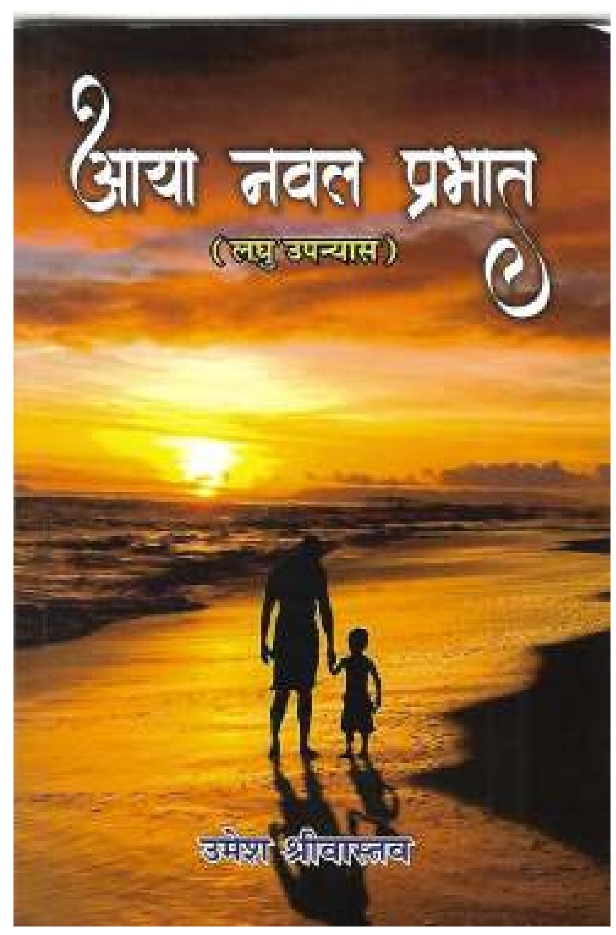

डोनाल्ड ट्रंप पर हमले के आरोपी का फोन किया गया अनलॉक, इजरायल के सेलेब्राइट यूएफईडी की ली गई मदद

एफबीआई पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शूटर के रूप में पहचाने जाने वाले थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के फोन को अनलॉक करने के लिए अप्रकाशित तकनीक तक पहुंच प्राप्त की है। यह घटना पेंसिल्वेनिया के बेथेल पार्क में एक रैली में हुई, जहां ट्रम्प के कान में चोट लग गई और एक दर्शक की मौत हो गई। एफबीआई को क्रुक्स के फोन तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, ठीक एक दिन बाद, एफबीआई ने घोषणा की कि वे क्रुक्स के स्मार्टफोन के अंदर जाने में सक्षम थे, जो एक सैमसंग डिवाइस निकला। इससे अटकलें लगाई गईं कि एफबीआई ने ग्रेशिफ्ट के ग्रेकी, या सेलेब्राइट यूएफईडी की मदद ली है। ब्लूमबर्ग ने एक रिपोर्ट में पुष्टि की है कि एफबीआई ने इजरायली डिजिटल इंटेलिजेंस कंपनी सेलेब्राइट से मदद मांगी है, जो विभिन्न अमेरिकी संघीय एजेंसियों को तकनीक प्रदान करती है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

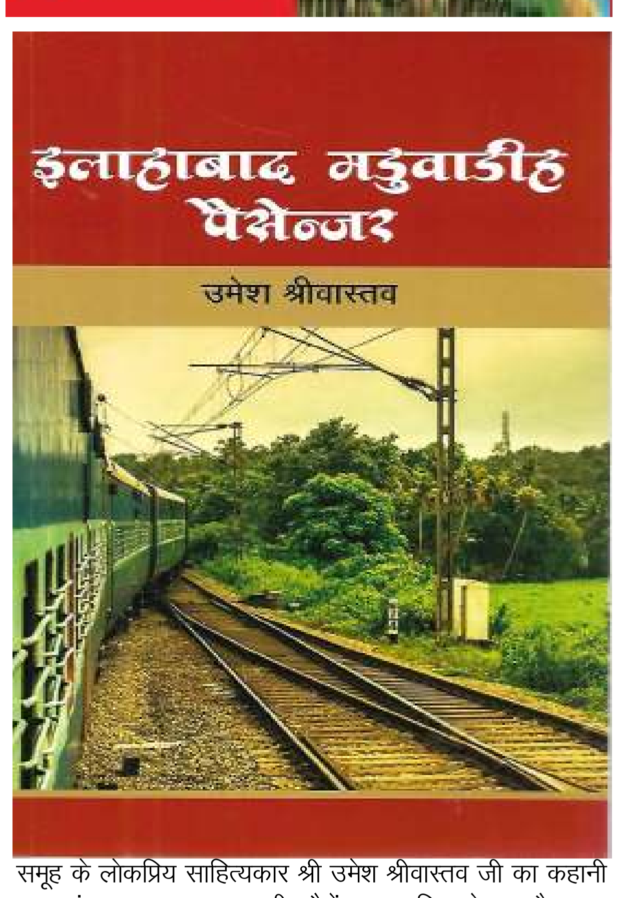

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

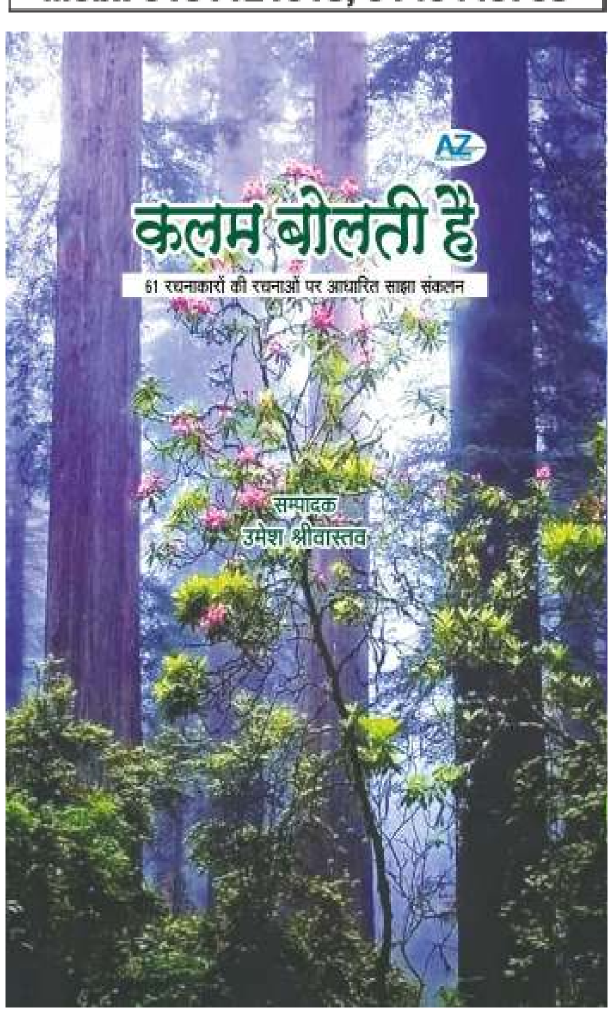

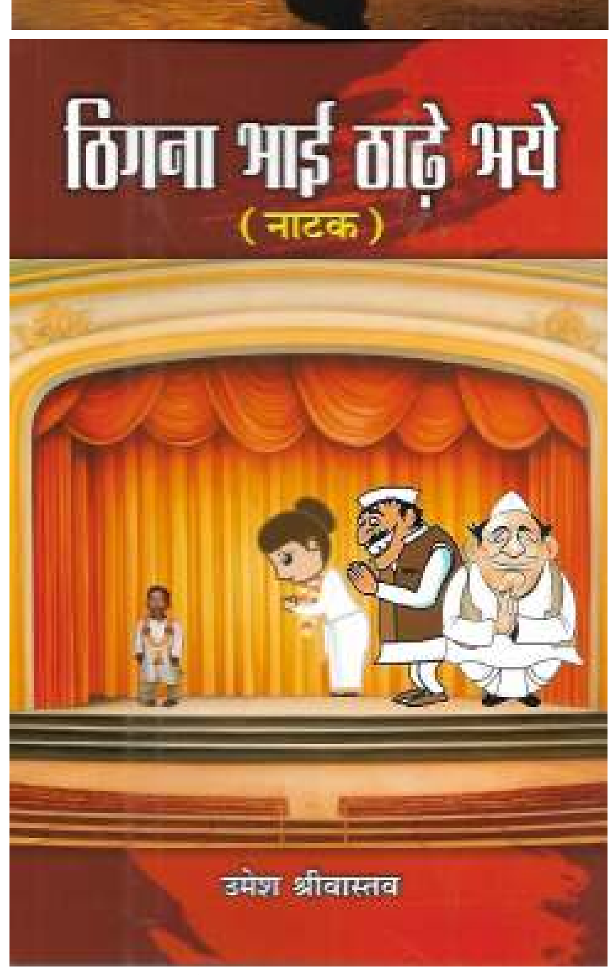

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)